देशबन्धु

वर्ष –10 । अंक–122 । सागर, शुक्रवार 20 जून 2025 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

मुख्यमंत्री ने किया बड़ा ऐलान

दीपावली से लाड़ली बहनों को मिलेंगे 15 सौ रूपये

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लाड़ली बहनों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने कहा है कि दीपावली से लाड़ली बहना योजना के तहत हितग्राही बहनों को 15 सौ रूपये प्रति माह की राशि नियमित दी जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को इंदौर में कलेक्टर कार्यालय में विश्व सिकल दिवस पर बड़वानी में आयोजित कार्यक्रम को वर्चुअली सम्बोधित करने के बाद मीडिया से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अभी वर्तमान में योजना के तहत 1250 रूपये प्रति माह की राशि लाड़ली बहनों को दी जा रही है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत अगले महीने प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन मनाने के लिए 250 रुपए की अतिरिक्त राशि उनके बैंक खाते में भेजी जाएगी। योजना के तहत चरणबद्ध रूप से राशि बढ़ाकर तीन हजार रूपये प्रति माह तक की जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनों को सशक्त बनाने के लिये अनेक कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं।

इससे पहले बड़वानी में आयोजित कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गरीबों को पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए पात्र हितग्राहियों के लिए सर्वे शुरू किया गया है। युवा कल्याण के लिए सरकार ने बड़े पैमाने पर शासकीय पदों पर भर्ती अभियान शुरू किया है। राज्य सरकार ने हाल ही में 9 साल से अटकी शासकीय कर्मचारी/अधिकारियों के लिए पदोन्नति का रास्ता खोला है। इससे आगामी वर्षों में दो लाख शासकीय पदों पर नई भर्ती की संभावना बनेगी। प्रदेश में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, इसके लिए सांदिपनि विद्यालयों की संख्या बढ़ाई जा रही है। होनहार छात्रों को साइकिल, स्कूटी और लैपटॉप बांटे जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहन-बेटियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए अभियान चल रहा है। अगले महीने प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन मनाने के लिए 250 रुपए की अतिरिक्त राशि उनके बैंक खाते में भेजी जाएगी। बहनों के साथ युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं। पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए ओंकारेश्वर में एकात्म धाम के विकास के लिए लगभग 22 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। प्रदेश के 19 धार्मिक शहरों में शराबबंदी का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है।

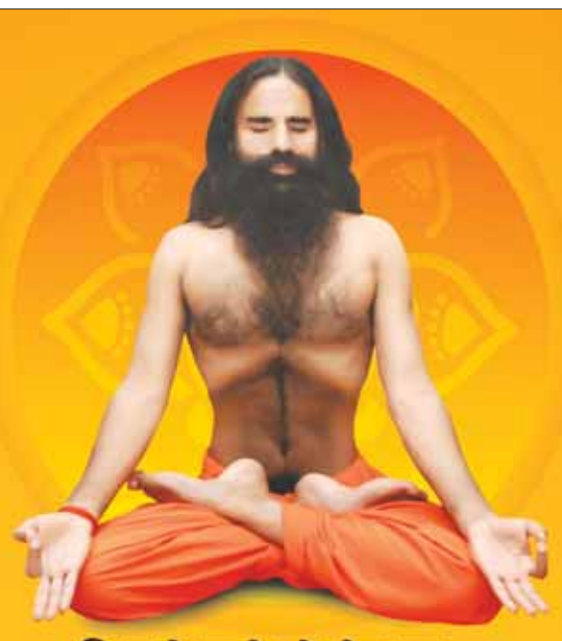

विश्व सिकल सेल दिवस पर बड़वानी में हुआ राज्य स्तरीय सम्मेलन, राज्यपाल ने कहा-

सिकल सेल उन्मूलन के लिए जागरुकता सर्वाधिक आवश्यक

बड़वानी/भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि सिकल सेल के संपूर्ण उन्मूलन के लिए हम सबकी सक्रिय सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। सबके विश्वास, साथ और प्रयासों से ही रोग का उन्मूलन होगा। राज्यपाल श्री पटेल विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर बड़वानी में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर से वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़े। कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का प्रदेश की जनता के नाम संदेश और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों पर आधारित अभिनंदन-पत्र का उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल द्वारा वाचन किया गया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जनजाति जीवन के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए समर्पित और संवेदनशील व्यक्तित्व है। उनके नेतृत्व में भारत में जनजाति कल्याण का स्वर्ण युग चल रहा है। सिकल सेल उन्मूलन मिशन के तहत प्रदेश सरकार सराहनीय कार्य कर रही है। राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों के लिए राज्य सरकार की पूरी टीम को बधाई दी। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल उन्मूलन के लिए जागरूकता सर्वाधिक आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विवाह के पूर्व युवक-युवती अपने जेनेटिक कार्ड का मिलान ज़रूर करें। इसी प्रकार गर्भावस्था में माँ और बच्चे की सिकल सेल जाँच और जन्म के 72 घंटों में नवजात की जाँच किया जाना ज़रूरी है। राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल से पीड़ित रोगी और वाहकों से भी अपील की है कि वे नियमित व्यायाम, पौष्टिक आहार और चिकित्सक की सलाह अनुसार दवाइयाँ लें। उन्होंने अभिभावकों से भी कहा कि सिकल सेल प्रभावित बच्चों के साथ आत्मीय व्यवहार करें। उन्हें सिकल सेल को समझने, लड़ने और हराने में संबल प्रदान करें।

बुंदेलखंड विश्वकोष योजना के तहत कृषि समिति की बैठक आयोजित

कृषकों की दशा, गाय व पशुधन की स्थिति के साथ बुंदेली भाषा के खेती किसानी के शब्दों को भी स्थान दिया जाए : डॉ. तिवारी

सागर, देशबन्धु। बुंदेलखंड विश्वकोश योजना के अन्तर्गत कृषि समिति की बैठक डॉ. अजय तिवारी, कुलाधिपति स्वामी विवेकानंद विवि की अध्यक्षता, एमपी दुबे के मुख्य अतिथ्य, संरक्षक डॉ. राजेश शुक्ला के मार्गदर्शन में आयोजित की गयी। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. अजय तिवारी ने कहा कि बुंदेलखंड इन्साइक्लोपीडिया में बुंदेलखंड की प्राचीन कृषि व्यवस्था, कृषकों की दशा, गाय व पशुधन की स्थिति के साथ बुंदेली भाषा के खेती किसानी के शब्दों को भी स्थान दिया जाये विचार विमर्श बहुत आवश्यक है। डॉ. आशीष त्रिपाठी ने जैविक खेती बायोकल्चर के फायदे तथा वायो पेस्टीसाइड से मानवजीवन में हो रहे नुकसान के अनेक उदाहरण दिये। कृषि विभाग के डॉ. आर के सिंह ने कहा कि युवाओं को ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वे करने का दायित्व सौपा जाये। धनी राम गुप्ता ने प्राचीन ग्रामीण कृषि पद्धति को जानना, समझना और समाज में जागरूकता लाने की बात कही। डॉ. सुकदेव वाजपेयी ने कहा कि वर्तमान समय में प्राकृतिक खेती की प्रासंगिक है। डॉ. उमेश कुमार मिश्र ने आधुनिक कृषि पद्धति के अन्तर्गत हाइड्रोपोनिक्स एवं वर्डिंग्स ग्राफ्टिंग पर विचार रखे। डॉ. रवीन्द्र देव चौबे ने उद्यानिकी और आधुनिक कृषि पर चर्चा की। डॉ. एके दीक्षित, सावित्री मौर्य एवं डॉ. त्रिपाठी, डॉ. एचएम गुप्ता ने भी बुंदेलखंड में कृषि की स्थिति दिशा व दशा पर अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर बुंदेलखंड विश्वकोश के कार्यालय के डिजायनर आकर्षण फर्नीचर के मुखिया जिनेन्द्र सपना जैन को बुंदेली विभूति सम्मान से सम्मानित किया गया।

गुरू पूर्णिमा महामहोत्सव व भक्तमाल, संतसमागम का विराट आयोजन

सागर, देशबन्धु। श्री गुरू पूर्णिमा महामहोत्सव, श्री भक्तमाल कथा व संत समागम की तैयारियां जोरो से चल रही हैं सागर बुंदेखण्ड का पूरा शिष्यमंडल इसकी तैयारियों में लगा हुआ है। महंत स्वामी किशोर दास देव जू महाराज श्री गोरे लाल कुंज श्री धाम वृन्दावन सहित कई राज्यों एवं देशभर से गुरूपूर्णिमा महोत्सव पर शिष्य पधार रहे हैं जिसकी व्यापक स्तर पर तैयारियों में सभी लोग जुटे हुये हैं। फतहपुर स्थित पावन धाम अजब धाम पहुंचकर सागर शिष्य मंडल ने संत रामअनुग्रह दास छोटे सरकार से भेंट कर आशीर्वाद लिया एवं कथा का आमंत्रण पत्र सौंपा, साथ ही पूर्व मंत्री विधायक पं. गोपाल भार्गव, विधायक शैलेन्द्र जैन, विधायक प्रदीप लारिया सभी से भेंट कर कथा का आमंत्रण दिया एवं भव्य और विराट आयोजन कि विस्तार से चर्चा की। कथा स्थल श्री देवराहा बाबा सिद्ध प्रांगण, बम्होरी रेंगुवा सागर में होने जा रहा है। सभी को आमंत्रण देने वालों में अजय दुबे, डॉ. अनिल तिवारी, प्रभात मिश्रा, शैलेष केशवानी, प्रमोद उपाध्याय, अनिल दुबे, भरत तिवारी सहित बड़ी संख्या में शिष्य मंडल के सदस्य उपस्थित थे।

नगर परिषद का नवीन भवन विकास और विश्वास का प्रतीक बने: विधायक

सागर, देशबन्धु। कर्रापुर में गुरूवार को विधायक प्रदीप लारिया ने 93.3 लाख रुपये के नगर परिषद के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर विधायक लारिया ने कहा कि यह भवन केवल एक प्रशासनिक ढांचा नहीं, बल्कि जनभावनाओं, उम्मीदों और स्थानीय विकास के संकल्पों का प्रतीक है। यह भवन इस बात का संदेश है कि कर्रापुर अब अपने अतीत के साथ-साथ आधुनिक भविष्य की ओर अग्रसर है। नगर परिषद का यह नया भवन कर्रापुर के नागरिकों की आकांक्षाओं और विश्वास का प्रतीक बनें। इस भवन में बैठने वाले जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की यह जिम्मेदारी है कि वे यहां आने वाले प्रत्येक नागरिक की बात को संवेदनशीलता के साथ सुने और समाधान के लिये तत्पर रहें। नये भवन के निर्माण से नगर परिषद की सेवायें बेहतर तरीके से आमजन को मिलेगी। कर्रापुर के विकास के लिये जो विजन रखा हैं, उसमें सभी मिलकर अपना सहयोग दें। कर्रापुर में जनभावनाओं के अनुरूप शहर के सर्वांगीण विकास के व्यापाक विकास कार्य होंगे। कर्रापुर एक उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर है। कायक्रम में मंडल अध्यक्ष, वरिष्ठजन, पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सरपंच, पार्षद सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की।

व्हिस्की-बीयर से भरी कार पकड़ाई, दो गिरफ्तार, 1.58 लाख की 28 पेटी शराब जब्त, दमोह से सागर लाई जा रही थी

सागर, देशबन्धु। गढ़ाकोटा थाना पुलिस ने अंग्रेजी शराब से भरी कार पकड़ी है। कार्यवाही में कार से 28 पेटी शराब जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया मुखबिर से सूचना मिली थी कि दमोह पथरिया की ओर से सफेद रंग की कार क्रमांक एमपी 15 सीबी 4078 गढ़ाकोटा होते हुए सागर की ओर जा रही है। कार में बड़ी मात्रा में अवैध रूप से शराब का परिवहन किया जा रहा है। जानकारी मिलते ही पुलिस टीम गठित कर कार्यवाही के लिये रवाना की गई। टीम ने रहली रोड पर पहुंचकर रहस मेला ग्राउंड के पास चेकिंग लगाई। चेकिंग के दौरान कार आते हुई दिखी। जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। कार में सवार दो युवकों को हिरासत में लिया। पूछताछ में कार ड्राइवर ने अपना नाम विक्रम पिता घनश्याम गुप्ता 20 निवासी शंकरगढ़ और बाजू में बैठे युवक ने वेद पिता मुरारी तिवारी 19 निवासी गायत्री नगर मकरोनिया होना बताया। कार की तलाशी ली गई तो उसमें से 28 पेटी शराब कीमत 1.58 लाख रुपये जब्त हुई। पेटियों में पावर स्ट्रॉन्ग व्हिस्की और बीयर थी। गढ़ाकोटा थाना प्रभारी रजनीकांत दुबे ने बताया कि कार से 28 पेटी शराब जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी विक्रम गुप्ता और वेद तिवारी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों से शराब के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

नाला नालियों की सफाई के लिए अभियान जारी

खुरई देशबन्धु। मुख्य नपा अधिकारी राजेश मेहतेले के विशेष निर्देश के परिपालन में नगर की नियमित सफाई व्यवस्था के अतिरिक्त बारिश के मौसम को देखते हुये विशेष रूप से नाला नालियों की सफाई का अभियान जारी है, गुरुवार को नगर के पठारी रोड पर कार्य करवाया गया, खुरई नगर के अन्य स्थानों पर भी सफाई मित्रों द्वारा आवश्यक मशीनरी, उपकरणों के साथ-साथ जेसीबी मशीन के माध्यम से नाला नालियों की विशेष सफाई का कार्य प्रगति पर है। स्वच्छता प्रभारी शैलेन्द्र सिंह द्वारा कार्यों की मॉनिटरिंग की जा रही है एवं स्वच्छता पर्यवेक्षक द्वारा विशेष अभियान की निगरानी की जा रही है।

साम्राज्यवादी अमरीका द्वारा पोषित युद्ध के खिलाफ एकजुट हों युद्ध पर रोक लगाओ

सागर, देशबन्धु। मेहनतकश वर्ग की क्रांतिकारी पार्टी के द्वारा सांकेतिक प्रदर्शन किया गया। जिसमें युद्ध पर रोक लगाने को लेकर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया की भारत सरकार पहलकदमी लेकर युद्ध के खिलाफ अपना मत दुनिया के सामने प्रस्तुत करे। हम जानते हैं पूंजीवादी साम्राज्यवादी देश बाजार पर अपना कब्जा कायम करने, दबदबा बढ़ाने के उद्देश्य से युद्ध की तरफ बढ़ रहे हैं। अर्थव्यवस्था का सैन्यीकरण किया जा रहा है। लंबे समय से रूस यूक्रेन, इजरायल, फिलिस्तीन की लड़ाई चल रही है। जिसमे जान माल का भारी नुकसान हो रहा है। अभी हाल ही में इजरायल द्वारा ईरान पर हमला कर दिया गया। दुनिया के देश अपने स्वार्थ के लिये युद्ध के पक्ष में बयान दे रहे हैं या चुप्पी साधे हुये हैं। ऐसे एक माहौल में जबकि विश्व युद्ध की संभावनायें बनाई जा रही हों। भारत देश को युद्ध के खिलाफ में अपना पक्ष में रखना चाहिये। आजादी आंदोलन के महान क्रांतिकारी भगतसिंह सहित महान मनीषियों ने नारा दिया था पूंजीवाद, साम्राज्यवाद का नाश हो। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुये अपना पक्ष वैश्विक स्तर पर दृढ़ता के साथ रखना चाहिये। जिससे युद्ध को रोककर शांति स्थापित हो पाये। हम हमारे देश व दुनिया के मेहनतकश आवाम से भी अपील करते हैं की वह युद्ध के खिलाफ शांति आंदोलन चलाकर साम्राज्यवादी सरकारों पर दवाब बनाये। ताकि युद्ध के बजाय आम जनता की समस्याओं पर तमाम देशों की सरकारें ध्यान केंद्रित करें।

विधायक ने पुलिस अधीक्षक से आवासीय कॉलोनी में निवासरत लोगों के पुलिस वेरिफिकेशन की मांग की

सागर, देशबन्धु। विधायक शैलेंद्र जैन ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर नगर के प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आईएचएसडीपी, छत्रसाल नगर एवं किशोर न्यायालय आवासीय कॉलोनी में निवासरत लोगों के पुलिस वेरिफिकेशन के संबंध में मांग की है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है सागर नगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अंबेडकर वार्ड स्थित आईएचएसडीपी कॉलोनी, बाघ राज वार्ड स्थित छत्रसाल नगर एवं किशोर न्यायालय आवासीय कॉलोनी में आवासों का निर्माण किया गया है इसमें लोगों को आवास आवंटित किये गये हैं परंतु इन स्थानों पर अनाधिकृत रूप से कुछ आपराधिक तत्वों का भी जमावड़ा हो गया है जिससे आये दिन यहां पर अपराध की घटनायें घटित होती रहती हैं, मेरे द्वारा कई बार विभिन्न मंचों पर इन कॉलोनी के निवासियों के पुलिस वेरिफिकेशन की मांग उठाई गई है परंतु अभी तक इस पर कोई कठोर कार्यवाही नहीं की गई है, अत: यहां पर अनाधिकृत रूप से रह रहे अपराधी किस्म के लोगों की पहचान करने के लिये यहां पर निवासरत लोगों का पुलिस वेरिफिकेशन कर इन पर कार्यवाही करने हेतु आग्रह है उन्होंने पत्र की प्रतिलिपि उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, संभागायुक्त, पुलिस महानिरीक्षक सागर, उप महानिरीक्षक सागर, कलेक्टर, निगमायुक्त को दी है।

निरीक्षण में 22 कर्मचारी मिले अनुपस्थित

बीना, देशबन्धु। समय पर कर्मचारियों के न आने की शिकायत पर बुधवार को नपाध्यक्ष ने उपाध्यक्ष सहित अन्य पार्षदों के साथ औचक निरीक्षण किया। पहले अध्यक्ष ने सभी का वेतन काटने की बात कही, लेकिन कर्मचारियों की बात सुनकर उन्होंने आगे से समय पर मुख्यालय आने की चेतावनी देकर छोड़ दिया। नियमानुसार सभी कर्मचारियों को सुबह 10 बजे नगर पालिका में पहुंचना चाहिये, लेकिन कुछ कर्मचारी एक घंटे की देरी से पहुंच रहे हैं। अलग-अलग काम से सुबह जल्दी आने वाले लोगों को कर्मचारियों के आने का इंतजार करना पड़ता है। बार-बार शिकायतें मिलने पर नपाध्यक्ष लता सकवार ने उपाध्यक्ष रमाकांत बिलगैया ने पार्षद जितेंद्र बोहरे, बीडी रजक सहित अन्य पार्षदों के साथ सुबह 10.45 बजे औचक निरीक्षण किया। इसमें अलग-अलग शाखाओं के 22 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। इन सभी कर्मचारियों की सूचना बनाकर सभी को बुलाकर जन प्रतिनिधियों ने देरी से आने का कारण पूछा। कर्मचारियों ने अपनी-अपनी दिक्कतें बताकर आगे से समय पर मुख्यालय आने की बात कही। इस पर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष ने एक मौका और देने की बात करते हुये उपस्थिति पंजी में सभी को हस्ताक्षर कराये। इसके साथ ही चेतावनी दी कि दोबारा देरी से आये तो नोटिस देने के साथ एक दिन का वेतन काटा जायेगा।

सरोज देवी को सभा में श्रद्धांजलि दी

शाहगढ़, देशबन्धु। उत्कृष्ट विद्यालय में पदस्थ शिक्षक शैलेंद्र की धर्म परायण माता स्व. सरोज देवी की आत्मा को शांति प्रदान हेतु गुरूवार को आचार्य विद्यासागर

दही भंडार, पनीर विक्रय दुकानों एवं कैंटीन का किया औचक निरीक्षण

दमोह, देशबन्धु। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा जांच दल ने शहर में विभिन्न दही भंडार, पनीर विक्रय दुकानों एवं कैंटीन का औचक निरीक्षण किया। सागर रोड स्थित एकलव्य यूनिवर्सिटी में कैंटीन का निरीक्षण किया, उपस्थित कैंटीन स्टाफ को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक किया एवं खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया। मौके पर मोबाइल फूड टेस्टिंग लैबोरेटरी के माध्यम से कैंटीन किचिन में उपयोग होने वाली खाद्य सामग्री जैसे दूध, घी, तेल, मसालों की गुणवत्ता की ऑन द स्पॉट जांच की गई। मोबाइल फूड टेस्टिंग लैबोरेटरी की सहायता से शहर स्थित राम दुलारे दही भंडार, सूर्यकांत गुप्ता, रोहित गुप्ता एवं दुर्गा गुप्ता, लंकेश लस्सी एवं श्रीनाथ पाव भाजी में ऑन द स्पॉट दूध, पनीर, दही, घी, तेल एवं मसालों में मिलावट की जांच की गई। सभी खाद्य दुकानों में साफ सफाई रखने एवं दुकानदारों को ग्राहकों को सुरक्षित एवं शुद्ध खाद्य सामग्री का निर्माण, भंडारण एवं विक्रय करने के निर्देश दिये।

जिला अजाक्स की कार्यकारणी घोषित

सागर, देशबन्धु। जिला अजाक्स अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र सिंह धुर्वे की अनुशंसा पर प्रांताध्यक्ष चौ. मुकेश मौर्य द्वारा 32 सदस्य कार्यकारणी अनुमोदित की गई। जिसमें रामचरण सिंह तेकाम, ज्ञानी चौधरी उपाध्यक्ष, यशवंत सिंह गौड़, कमले उईके, मदनलाल चौधरी, केके कोरी महासचिव, रामकेश तेकाम, बबलू गौड़, अरविंद सिंह, तखत सिंह धुर्वे सचिव, उदयभान सिंह, शिवचरण नोदिया, राजाराम गौड़, बीडी गौड़, सुनील उईके, लखन सिंह संयुक्त सचिव, थान सिंह तेकाम कोषाध्यक्ष, टीकाराम गौड़ आडीटर सहित सदस्य पदाधिकारी बनाये गये। जिला कार्यकारणी घोषित होने पर रामचरण सिंह तेकाम, यशवंत सिंह गौड, केके कोरी, सुनील उईके द्वारा प्रांताध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में पर्यटन क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छुईः भूपेन्द्र सिंह

सागर, देशबन्धु। मप्र में पर्यटन के क्षेत्र में हुई 526 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि की उपलब्धि हासिल करने के लिये पूर्व मंत्री, विधायक भूपेन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिख कर बधाई दी है। पूर्व मंत्री ने पत्र में कहा है कि डॉ. यादव ने पर्यटन के क्षेत्र में क्रिएटिव विजन के साथ काम करते हुये प्रदेश के पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। प्रदेश में धार्मिक, वन एवं पर्यावरण, सांस्कृतिक और ग्रामीण पर्यटन की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य उनके नेतृत्व में हुआ है और लगातार चल रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन ज्ञान और अनुभव का आधार है। पर्यटन से भौगोलिक, एतिहासिक, पुरातात्विक, आर्थिक, राजनैतिक व सामाजिक ज्ञान की वृद्धि होती है। देश की आर्थिक समृद्धि के साथ साथ प्रदेश के पर्यटन की संभावनाओं का भी विस्तार हुआ है। इसका महत्व समझते हुये मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी संभावनाशील पर्यटन क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षा व सुविधाओं को बढ़ाने पर जोर दिया है। इससे होटल, रेस्तरां, परिवहन, गाईड जैसी सेवाओं के प्रत्यक्ष रोजगार, कृषि हस्तशिल्प व निर्माण के रूप में अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेंगे। स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, राजस्व में वृद्धि होने के साथ साथ विदेशी मुद्रा का प्रवाह भी बढ़ेगा।

चाय-पान की दुकान से चोरी, सीसीटीवी में दिखे चोर

बीना, देशबन्धु। कटरा मंदिर के सामने चाय-पान की दुकान में चोरी हो गई। मंगलवार रात अज्ञात चोरों ने दुकान में सेंध लगाकर करीब 50 हजार का माल और नकदी चुरा ली। दुकान के मालिक पूरन सिंह ठाकुर ने बताया कि उनका भतीजा रात 11.30 बजे दुकान बंद करके गया था। बुधवार सुबह 6 बजे दुकान खोलने पर शटर टूटा हुआ मिला। अंदर का सामान बिखरा पड़ा था। चोर गुटखा और बीड़ी के कई पैकेट के साथ 1500 रुपए नकद ले गये। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज में कटरा मंदिर के पास रहने वाले दो युवक दुकान में घुसते और सामान ले जाते दिख रहे हैं। आरोपियों की पहचान होने के बावजूद कार्यवाही न होने से नाराज व्यापारियों ने पीड़ित दुकानदार के साथ गुरुवार रात 7.30 बजे थाने पहुंचकर विरोध किया। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी और व्यापारियों की सुरक्षा की मांग की है।

पहचान होने के बावजूद कार्यवाही न होने पर थाने में किया प्रदर्शन

आईजी का किया सम्मान

सागर, देशबन्धु। एकता समिति ने गुरुवार को सागर रेंज की नवनियुक्त पुलिस महानिरीक्षक हिमानी खन्ना से सौजन्य भेंटकर सम्मानित किया और शुभकामनायें दी। इस अवसर पर अब्दुल रशीद भाई, सतीश खत्री, शरद गुप्ता, चंपक भाई, संजय शास्त्री, राजेंद्र मलैया, कमल जैन, प्रमोद चौरसिया, शरदकांत सोनी, प्रमोद पटेल, राजेंद्र सोनी आदि उपस्थित थे। सदस्यों ने शहर की कानून व्यवस्था की स्थिति से श्रीमती खन्ना को अवगत कराया।

11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की समीक्षा बैठक संपन्न

स्व प्रेरित होकर योग प्रतिदिन करे: मिहीलाल अहिरवार

मकरोनिया, देशबन्धु। नगर पालिका मकरोनिया सभाकक्ष में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता नपाध्यक्ष मिहीलाल अहिरवार ने की। बैठक को संबोधित करते हुये नपाध्यक्ष ने बताया 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मकरोनिया के प्रत्येक वार्डो में आयोजित किया जायेगा सभी वार्डवासी इसमें हिस्सा ले एवं योग करें योग करने से तन मन पूरा स्वस्थ रहता है और मस्तिष्क भी स्वस्थ रहता है। स्व प्रेरित होकर हमें प्रतिदिन योग करना चाहिये। योग करने से पूरे दिन काम करने के प्रति स्फूर्ती बनी रहती है इसलिये हमें योग अवश्य करना चाहिये।

योग दिवस के अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में हमें एकत्र होकर योग के प्रति जन जागरूकता अभियान प्रारंभ करना होगा। हम केवल योग दिवस पर नहीं बल्कि प्रतिदिन योग करें और स्वस्थ रहें एवं मकरोनिया के वासियों को स्वस्थ बनायें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि मौसम के अनुसार योग दिवस की तैयारी सुनिश्चित करें। बैठक में बलबंत सिंह ठाकुर, जितेंद्र खटीक, मुकेश पटेल, राजा रिछारिया, मुख्य नपा अधिकारी पवन शर्मा, उपयंत्री सत्यम देवलिया, वर्षा साहू, शनि जैन सहित सभी शाखाओं के प्रभारी उपस्थित रहे।

सौ हैक्टेयर वन भूमि से हटाया अतिक्रमण

मालथौन, देशबन्धु। उत्तर वन मंडल मालथौन की बड़ी कार्यवाही सामने आई है अतिक्रमणकारियों से 250 एकड़ वन भूमि मुक्त कराई गई है। मिली जानकारी के अनुसार 17 एवं 18 जून को रिपुदमन सिंह भदौरिया वन संरक्षक सागर वृत के मार्गदर्शन एवं चन्द्रशेखर सिंह वन मंडलाधिकारी उत्तर सागर के निर्देशन में तथा शेलेष माचरा उप वनमंडलाधिकारी उत्तर सागर के नेतृत्व में वन सीमा सुरक्षा सप्ताह अन्तर्गत वन मण्डल उत्तर सागर की परिक्षेत्र मालथौन में संयुक्त दल द्वारा वन कक्ष आर एफ 157 के मुनारा क्र. 174 से 193 तक वन सीमा का निर्धारण कर पशु रोधक खंती व कन्टूर ट्रंच मशीन से खोदकर लगभग 100 हेक्टर वन भूमि को अतिक्रमण एवं अतिक्रमण के प्रयासों से मुक्त कराया गया। रेंजर बीएन सोलंकी ने बताया कि दो दिन लगातार वन परिक्षेत्र में वन भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही वारिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में जारी हैं। सौ हेक्टेयर के लगभग भूमि अतिक्रमण हटाया गया हैं।

सार समाचार

नगर परिषद में जो कर्मचारी पदस्थ ही नहीं उसका कर दिया तबादला

छतरपुर, देशबन्धु। प्रदेश में इन दिनों थोकबंद तबादलों का दौर जारी है। इसमें कई गडबडियां भी सामने आ रही हैं। दरअसल सटई नगर परिषद में जो कर्मचारी पदस्थ ही नहीं है उसका भी तबादला कर दिया गया है। ऐसे भी कई मामले सामने आए हैं जिनमें नगरीय प्रशासन विभाग की तबादला सूची में मृत व्यक्तियों के तबादले भी कर दिए गए हैं। मगर इस बार एक नया मामला सामने आया है। जिसमे 17 जून 2025 को नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा जारी तबादला सूची क्रमांक/2161/3119528/2025-18-1 में क्रमांक 11 पर सहायक राजस्व निरीक्षक रामनरेश पटेल का नाम दर्ज है। जिसका तबादला सटई नगर परिषद से नगर परिषद गुनौर जिला पन्ना कर दिया गया है। मगर सच्चाई तो ये है कि नगर परिषद सटई में रामनरेश पटेल नाम का कोई कर्मचारी कभी पदस्थ ही नहीं रहा है। जिसका इस बार यहां से गुनौर के लिए तबादला किया गया है। अब सवाल है कि जिस रामनरेश का सटई से तबादला हुआ है, उसे अब कहां से लाया जाएगा। तबादले का ये अनूठा आदेश लोगों के बीच हास-परिहास का विषय बनकर चर्चाओं में छाया है।

जमीनी विवाद में फायरिंग, महिला सहित 3 घायल

छतरपुर, देशबन्धु। शहर के ओरछा रोड थाना क्षेत्र के सौंरा गांव में गुरुवार को जमीन जे विवाद में हिंसक झड़प हुई है। लाठी-डंडों से किए गए हमले के बाद फायरिंग से एक महिला सहित 3 लोग घायल ही गए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सौंरा गांव की है, जहां सुबह 9 बजे जमीन के बंटवारे को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस झड़प में रेखा पटेल 28 वर्ष पत्नी देवेंद्र पटेल, लली पटेल 50 वर्ष पत्नी प्रेमनारायण पटेल और प्रेमनारायण पटेल 55 वर्ष पुत्र भन्ने पटेल गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। ये सभी अपने खेत पर ईंट भर रहे थे, तभी रामप्रसाद पटेल, शशिकांत, मनीराम उर्फ भूरा, मन्नू बाई, ललिता और पुष्पेंद्र पटेल ने वहां आकर लली और प्रेमनारायण पर लाठी और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इसके मनीराम ने लली पर कट्टे से फायर कर दिया, जिससे गोली लली के पैर में लग गई।परिजन तत्काल घायलों को जिला अस्पताल छतरपुर ले गए, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

वन विभाग की 47.278 हेक्टेयर जमीन से हटाया अतिक्रमण

छतरपुर, देशबन्धु। जिले की बिजावर तहसील में प्रशासन, वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने रामगढ़ गांव के पास चौंरइया मुख्य सड़क से सटी 47.278 हेक्टेयर राजस्व भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की है। एसडीएम विजय द्विवेदी ने बताया कि न्यायालय कलेक्टर छतरपुर के आदेशानुसार वर्ष 2017-18 में यह भूमि वन विभाग को क्षतिपूरक वृक्षारोपण हेतु प्रदान की गई थी। लंबे समय से इस पर अतिक्रमण था। इस भूमि पर लगभग 10 लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर खेती की जा रही थी। अतिक्रमण को जेसीबी मशीनों से हटाकर पूरी सरकारी भूमि को विधिवत तरिके से वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया है। वन विभाग ने अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि को तुरंत वायर फेंसिंग कराके अपने कब्जे में ले लिया है। एसडीएम ने कहा है यह कार्यवाही प्रशासन की सतर्कता और सख्ती का प्रमाण है और भविष्य में इस तरह के अवैध कब्जों पर रोक लगाने के लिए एक कड़ा संदेश भी है।

एनटीपीसी कार्यालय के बाहर किसानों ने दिया धरना, जमकर की नारेबाजी

नौकरी और मुआवजा मांगा, अधिकारियों पर लगाए रिश्तेदारों को नौकरी देने के आरोप

छतरपुर, देशबन्धु। जिले के बरेठी गांव में एनटीपीसी के लिए अधिगृहित की गई भूमि के एवज में मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी न मिलने से नाराज सांदनी गांव के ग्रामीणों ने गुरुवार को छतरपुर में पन्ना रोड पर स्थित एनटीपीसी कार्यालय के बाहर धरना देकर प्रदर्शन किया है।

एनटीपीसी के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन कर रहे किसानों का कहना था कि उनकी जमीन के अधिग्रहण से पहले एनटीपीसी प्रबंधन ने उनसे कई वादे किए थे। हर परिवार से एक व्यक्ति को नौकरी देने, प्रति एकड़ 5 लाख रुपए बोनस और पुनर्वास की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया था लेकिन, आज तक कोई वादा पूरा नहीं हुआ। उनका ये भी आरोप था कि कंपनी ने प्रभावित परिवारों को नौकरी देने की बजाय नौकरियां केवल अधिकारियों के रिश्तेदारों को ही दी हैं।

काफी देर तक प्रदर्शन के दौरान सुरक्षाकर्मियों ने किसानों की वीडियो तो बनाई, लेकिन उनकी समस्या नहीं सुनीं। वहां कोई सुनवाई न होने से असंतुष्ट किसान सीधे कलेक्ट्रेट पहुंचे और वहां अपनी मांगों को ज्ञापन दिया है।

किसानों ने बताया उन्होंने एनटीपीसी के उप महाप्रबंधक को भी इस मामले की लिखित शिकायत की है। जिसमें उन्होंनें मांगों और समस्याओं के समाधान की मांग की है।

धरने पर बैठे खरगी अहिरवार ने कहा हमारी 14 सूत्रीय मांगें हैं, लेकिन एनटीपीसी प्रबंधन ने एक भी मांग नहीं मानी। जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होतीं हैं, तब तक धरना जारी रहेगा। ग्रामीणों ने एनटीपीसी के जीएम विजयवर्गीय से सामने आकर स्वयं किसानों की समस्याएं सुनने और भ्रष्टाचार के आरोप से घिरे सुपरवाइजर को तत्काल हटाने की मांग की।

कंपनी कर्मचारी पर लगाए रिश्वत के आरोप

एनटीपीसी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे ग्रामीणों ने कंपनी के कर्मचारी बेटालाल तिवारी पर ग्रामीणों से उचित मुआवजा और नौकरी दिलाने के एवज में रिश्वत लेने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना था कि वह ग्रामीणों को धमकाते हुए कहता है जब तक रुपए नहीं दोगे, मुआवजा नहीं मिलेगा। किसानों के अनुसार बेटालाल तिवारी ने दिल्ली चंद्र से 10000 रुपए, कैलाश प्रजापति से 7000 रुपए, भगवान दास कुशवाहा से 5000 और संजू से 1100 रुपए तो ले लिए लेकिन उन्हें आज तक न नौकरी मिली न उचित मुआवजा दिलाया गया। किसानों ने दावा किया है कि कर्मचारी को रिश्वत देते हुए उनके पास स्क्रीनशॉट मौजूद हैं।

सुरक्षाकर्मी सुपरवाइजर ने दी सफाई

एनटीपीसी के सुरक्षा सुपरवाइजर बेटालाल तिवारी ने किसानों से रिश्वत लेने के आरोपों को झूठा बताते हुए अपनी ओर से सफाई दी है। बेटालाल ने किसानों से इस तरह के आरोपों के सबूत पेश करने की बात भी कही है। बेटालाल का कहना है कि मुआवजे के चैक बांटने का अधिकार डीजीएम के पास है। मैं तो सिक्योरिटी इंचार्ज हूं। जिनका-जिनका पैसा बाकी उनकी कार्रवाही चल रही है हो सकता है 15-20 दिन में मामला निपट जाए। अधिकारी अभी बैठक में गए हैं, कब आएंगे इसकी जानकारी मुझे नहीं है।

तालाब खुदाई में भ्रष्टाचार, मजदूरों को नहीं मिला रोजगार

हरपालपुर, देशबन्धु। ग्राम पंचायत सरसेड़ के ग्राम चपरन में गंगा जल संवर्धन अभियान के तहत हो रहे तालाब निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार का गंभीर मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सरपंच व सचिव की मिलीभगत से मजदूरों को काम से वंचित कर जेसीबी मशीनों से रातों-रात दो तालाब खुदवाए गए। स्थानीय लोगों का कहना है सैकड़ों ट्रॉली मिट्टी और रेत निकालकर माफियाओं को बेची गई है। ग्रामीणों ने वीडियो बनाकर साक्ष्य भी जुटाए हैं और अब वे इसकी शिकायत कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ से भी करने जा रहे हैं। बता दें कि मनरेगा योजना के तहत स्थानीय मजदूरों को रोजगार देने की बात कही गई, परंतु यहां मशीनों से काम कराके फर्जी हाजिरी और फोटो के ज़रिए शासन को गुमराह किया जा रहा है। नौगांव जनपद पंचायत के सीईओ डॉ. हरीश केसरवानी ने बताया मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार को जांच के लिए भेजा जाएगा। वहीं एसडीएम जीएस पटेल ने भी मूल्यांकन कराने की बात कही है।

पेड़ों की छटाई तो करा दी मगर आज तक नहीं दिया मेहनताना

छतरपुर, देशबन्धु। नगर पालिका छतरपुर द्वारा पेड़ों की कटाई तो करा दी गई लेकिन कटाई करने वाले को आज तक मेहनताना नहीं दिया गया। जिससे श्रमिक परेशान है। जानकारी के अनुसार 6 मार्च 2024 को सड़क किनारे लगे पेड़ पौधों की छटाई के लिए कुटेशन निकाला गया था। जिसमें मुकेश अहिरवार को इसकी जिम्मेदारी दी गई। इसके बाद 5 सितम्बर 2024 के कार्य के लिए भी मुकेश अहिरवार को ही ठेका दिया गया लेकिन अभी तक उसकी मजदूरी का भुगतान नपा द्वारा नहीं किया गया है। पिछले 6 महीनों से मुकेश अहिरवार नगर पालिका के चक्कर काट रहा है। हर बार उसे आश्वासन तो मिलता है, लेकिन मेहनताना नहीं मिल सका है। मुकेश ने नगर पालिका के एक पूर्व कर्मचारी पर सुविधा शुल्क मांगने का आरोप लगाते हुए बताया कि रकम न देने की वजह से पहली बार में उसका 70 हजार रूपए का भुगतान और दूसरी बार में 46 हजार रूपए का भुगतान रोक दिया गया है।

ट्रांसफार्मर खराब होने से ग्राम चितहरी में छाया अंधेरा

गौरिहार, देशबन्धु। ग्राम पंचायत चितहरी में पिछले 20 दिनों से बिजली का एक ट्रान्सफार्मर खराब हो जाने से पूरे गांव में अंधेरा छाया है। गांव में बिजली न होने से जहां लोगों को उमस वाली गर्मी में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पा रही है और बिजली के सभी उपकरण भी शो पीस बनकर रह गए हैं। लोगों को गेहूं पिसाई और मोबाइल को चार्ज करने के लिए दूसरे गांव तक जाना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर ग्राम चितहरी के अशोक कुमार पांडे, छुट्टन सिंह, राजेश द्विवेदी, बाबूराम, त्रिभुवन, जगदीश शुक्ला, रामचंद्र, रजनिया गुप्ता, धर्मेंद्र सिंह, केशव सिंह, रमेश साहू, राधेश्याम तिवारी, हरवंश पांडे, श्यामबाबू बढ़ई और संतराम विश्वकर्मा ने गौरिहार आकर बिजली कंपनी के जेई के नाम मागपत्र दिया है। जिसमे खराब ट्रांसफार्मर को सही कराने, या बदलने की मांग की गई है।

इनका कहना है

चितहरी में ट्रांसफार्मर खराब होने संबंधी आवेदन मिला है। मैने संबंधित लाईनमैन को बोला है कि गांव के बकायादार उपभोक्ताओं को सूची बनाकर जिनके बिल शेष हैं, जमा करवाओ। जिससे शीध्र ही ट्रांसफार्मर बदल कर विद्युत प्रदाय सुचारु कराय जा सके।

अनिल कुमार पांडे, जेई विद्युत, गौरिहार

आरटीओ चैक पोस्ट बंद, मगर यूपी-एमपी सीमा पर ट्रकों से वसूली जारी

छतरपुर, देशबन्धु। पूरे प्रदेश में एक जुलाई 2024 से अंतर्राज्यीय सीमाओं पर परिवहन जांच चौकियां यानि चेक पोस्ट बंद होने के बावजूद आरटीओ का अमला यूपी-एमपी सीमा पर ट्रकों की चैकिंग के बहाने वसूली में जुटा है। ये जांच और कार्यवाही का विषय है।

दरअसल प्रदेश में संचालित आरटीओ चेक पोस्ट पर मनमाने तरीके से वसूली की शिकायतों के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की सरकार ने इन्हें बंद कर दिया था।

तब से अब तक पूरा एक साल बीतने के बावजूद शासन के आदेश पर अमल हुआ या नहीं ये तो नहीं पता, मगर छतरपुर जिले से सटी उत्तर प्रदेश की सीमा पर आरटीओ विभाग के कर्मचारी सड़क पर बेरीकेटिंग करके ट्रकों से चेकिंग के नाम पर वसूली बराबर कर रहे हैं। ये सच्चाई गुरुवार को तब उजागर हो गई जब छतरपुर की सीमा से सटे उत्तर प्रदेश के महोबा और झांसी की सीमाओं पर आरटीओ विभाग के कर्मचारियों को सरकारी गाड़ी के साथ तैनात रहकर वसूली करते देखा गया।

वे महोबा रोड पर कैमाहा बैरियल के पास कॉमर्शियल वाहनों को रोककर उनसे अवैध रुप से वसूली कर रहे थे।

कैमरे देखकर वसूली करने वाले भागे

यूपी-एमपी सीमा पर वाहनों से वसूली में लगे आरटीओ कर्मचारियों की जानकारी मिलते ही वहां पत्रकार जा पहुंचे। उनके कैमरे आन होते ही वसूली करने वाले कर्मचारी अपना वाहन लेकर तेजी से भाग खड़े हुए। इससे जाहिर है कि यहां केवल दाल में कुछ काला नहीं बल्कि पूरी दाल ही काली है। इस पूरे घटनाक्रम से जाहिर है कि प्रदेश सरकार की मंशानुसार जांच चौकियां तो बंद जरुर कर दी गईं, मगर विभाग की मुखिया मैडम और कर्मचारी यूपी-एमपी सीमा पर दिन रात जांच के बहाने वसूली से मोह नहीं छोड पाए हैं। इस बारे में जब आरटीओ मधु सिंह से मोबाइल पर बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने काल रिसीव करना जरुरी नहीं समझा।

अधूरे पड़े नाले से हो रहे हादसे, आवागमन हुआ बाधित

छतरपुर, देशबन्धु। शहर के पन्ना रोड स्थित बजरंग नगर में हनुमान मंदिर के सामने नाले की खुदाई का कार्य एक सप्ताह से अधूरा पड़ा है जिससे स्थानीय निवासियों और व्यापारियों को परेशानी हो रही है।

खुदाई के कारण जगह-जगह मलबा फैला हुआ है और सड़क का एक हिस्सा संकरा हो गया है, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। लोगों ने बताया नगर पालिका द्वारा एक दिन खुदाई करके कार्य बंद कर दिया गया है। लोगों को जान-माल का खतरा बना है। व्यापारी मुकेश जैन ने बताया, करीब एक सप्ताह से नाला खुदा पड़ा है लेकिन काम दोबारा शुरू नहीं हुआ, इससे व्यापार चौपट हो रहा है।

स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और आम राहगीरों को भी आने-जाने में काफी कठिनाई हो रही है। पहले आश्वासन मिला था कि दो दिन में काम पूरा होगा, लेकिन अब तक नाले की खुदाई भी पूरी नहीं की गई है। लोगों ने नगर पालिका से जल्द से जल्द कार्य दोबारा शुरू करके नाले का निर्माण कार्य पूर्ण कराने की मांग की है, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

आईटीआई में प्रवेश के लिए पंजीयन शुरू

छतरपुर, देशबन्धु। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सत्र 2025 के लिए प्रशिक्षण के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है। जिसमें पंजीयन त्रुटि सुधार तिथि को बढ़ाते हुए 16 जून 2025 तक किया गया था। इसके बाद पुनः 18 जून 2025 से पंजीयन कार्य शुरू किया गया है। ताकि प्रवेश प्रक्रिया से वंचित आवेदकों को लाभ मिल सके।

बताया गया है 24 जून से संस्थाओं में प्रवेश कार्य प्रारंभ होगा। प्राचार्य शासकीय आईटीआई ने बताया कि संस्थान छतरपुर में स्टेनो हिंदी की 48 सीटें, फिटर की 20, विद्युतकार 20, डीजल मैकेनिक की 24, कारपेंटर की 24, कोपा की 48, मोटर मैकेनिक की 24, वेल्डर की 40 एवं चंदला में डीजल मैकेनिक की 20, कोपा की 24, फिटर की 20, विद्युतकार की 20, वेल्डर की 20, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशन की 20 और बक्सवाहा में विद्युतकार की 20, बिजावर में कोपा की 20 और बड़ामलहरा में डीजल मैकेनिक की 48, कोपा की 48, फिटर की 20, वेल्डर की 40, मोटर मैकेनिक की 24 और विद्युतकार की 20 सीटें रिक्त हैं। संस्थानों में शासन द्वारा 35 प्रतिशत स्थान महिलाओं के लिए सुरक्षित है। शासकीय आईटीआई संस्थान में हेल्प डेस्क भी स्थापित की है। यहां आकर एवं मोबाइल नंबर 9424403801, 9131174028, 9179224579, 9981590542 पर भी संपर्क कर छात्र-छात्राएं मदद ले सकते है। प्रशिक्षण उपरांत शासकीय प्रतिष्ठानों एवं प्राइवेट संस्थानों में रोजगार एवं अप्रेंटिशिप के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं।

खाद, बीज, दवा दुकानों का निरीक्षण किया, कमियां मिलने पर थमाए नोटिस

छतरपुर, देशबन्धु। गुरुवार को कलेक्टर द्वारा गठित जांच टीम ने जिले में खाद, बीज और कीटनाशक दवाओं की कई दुकानों का औचक निरीक्षण किया है। इस दौरान कमियां मिलने पर 6 व्यापारियों को नोटिस भी दिए गए हैं।

पिछले दिनों कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने उप संचालक कृषि को इस बारे में निर्देशित किया था। इसके बाद एक टीम बनाई गई, जिसमें सहायक संचालक कृषि डा रवीश सिंह, आरएईओ एसपी कारपेन्टर और इंस्पेक्टर अशोक सिंह की टीम ने कई दुकानों का निरीक्षण किया हैं। इन दुकानों में मेसर्स गोस्वामी बीज भण्डार, श्रीराम ट्रेडर्स खाद बीज, पटेल कृषि बीज भण्डार, जटाशंकर बीज भण्डार, चित्रकूट कृषि भण्डार, कुशवाहा बीज भण्डार, शिवशक्ति एग्रीटेक लिमिटेड का निरीक्षण करके स्टाक पंजी, दवा प्राप्ति का बिल और किसानों द्वारा क्रय दवाओं की बिल बुक चैक की गई। बताया गया है कि इस दौरान सूचना पटल पर रेट लिस्ट नहीं मिली और स्टाक पंजी का रिकॉर्ड नहीं पाया गया। मौके पर मौजूद किसानों ने बताया कि उन्हें क्रय दवाओं का बिल नहीं दिया जाता है। ऐसे 6 व्यापारियों को नोटिस थमाए गए हैं। नोटिस का सही जवाब न मिलने पर संबंधितों की दुकान का लाइसेंस निरस्त करने की कार्यवाही की जाएगी।

हर काम के दाम वसूल रहा पल्टा हल्के का पटवारी, ग्रामीण परेशान

गौरिहार, देशबन्धु। तहसील मुख्यालय के नजदीक हल्का पलटा में पदस्थ पटवारी गजराज पटेल की मनमानी और हर काम के दाम वसूली से परेशान किसानों व ग्रामीणों ने एसडीएम को आवेदन देकर पटवारी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

ग्राम पलटा के समाजसेवी अभिषेक तिवारी के साथ उमेश कुमार तिवारी, राममूर्ति, कल्लू अनुरागी, चिरौंजीलाल, आशुतोष, अच्छेलाल, मुन्ना, देवीदीन प्रजापति, प्रदीप, रामविशाल और रज्जन सहित कई ग्रामीणों ने एसडीएम को दिए आवेदन का हवाला देकर बताया कि हल्का पटवारी गजराज पटेल मुख्यालय पर नहीं रहता है। जिससे ग्रामीण जन्म व जाति प्रमाण पत्र बनवाने, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित अन्य कार्यों के लिए उसकी तलाश में परेशान होते रहते हैं।

पटवारी पर आरोप लगाया गया है कि उसने गांव में कुछ ऐसे ऐजेंट बनाए हैं जो गांव के लोगों से हर काम के दाम लेकर उससे काम कराते हैं। बताया गया कि पटवारी ने किसान उमेश कुमार तिवारी, संतोष साहू और देवीदीन प्रजापति से सीमांकन के लिए 5 से 10 हजार रुपए वसूले हैं। जो दाम नहीं देता है उसका काम नहीं हो पाता है।

इनका कहना है

हल्का पल्टा के पटवारी द्वारा ग्रामीणों से वसूली की जानकारी तो नहीं है। इस संबंध में मिली शिकायत के आधार पर जांच कराई जाएगी। वैसे भी पटवारी गजराज पटेल का तबादला हो गया है, उसे जल्द ही रिलीव कर दिया जाएगा।

बलबीर रमन
एसडीएम, गौरिहार

5 जुआरी गिरफ्तार और 4200 नकद जब्त

गुना, देशबन्धु। गुना पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुना के मार्गदर्शन और प्रभारी एसडीओपी चांचौड़ा के पर्यवेक्षण में, चांचौड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार साहू के नेतृत्व में बीनागंज चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक अजयप्रताप सिंह और उनकी टीम ने बीती रात बीनागंज में जुए की सूचना पर तुरंत कार्रवाई की।

बीनागंज के हरिजन मोहल्ले में कुछ लोगों के जुआ खेलने की खबर मिलने पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। वहां 4-5 लोग ताश के पत्तों से पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेलते पाए गए।

पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। पकड़े गए जुआरियों की पहचान राहुल (25), ध्यानदास (35), विष्णु (33), संतोष (45) और धर्मेंद्र (35) सभी निवासी बीनागंज के रूप में हुई। पुलिस ने मौके से 4200 नकद और ताश की एक गड्डी जब्त की। सभी 5 जुआरियों के खिलाफ चांचौड़ा थाने में अपराध क्रमांक 246/25, धारा 13 जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है।

अवैध शराब बिक्री के विरोध में ग्रामीणों का गुस्सा फूटा, रोकने की मांग

बकस्वाहा, देशबन्धु। *क्षेत्र के गांवों और वार्डों में तेजी से बढ़ रही शराब की अवैध बिक्री के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा है। ग्रामीणों ने आबकारी ठेकेदार और पुलिस की मिलीभगत के आरोप लगाते हुए कहा कि अब तो हालात ऐसे हो गए हैं कि दूध मिलना मुश्किल है, लेकिन शराब हर गली, मोहल्ले और गांव में आसानी से उपलब्ध है।*

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना था कि नशे का जाल बच्चों और युवाओं को तेजी से चपेट में ले रहा है, जिससे क्षेत्र में अपराध में भी इजाफा हो रहा है। धार्मिक स्थल, स्कूल के आसपास, यहां तक कि छोटे-छोटे गांव भी अब इस अवैध कारोबार से अछूते नहीं हैं। दरअसल ग्राम पंचायत पडरिया के ग्राम मच्छंद्री में बीते एक वर्ष से खुलेआम अवैध शराब बेचे जाने से ग्रामीण परेशान हैं। गांव में शराब दुकान का वैध लाइसेंस नहीं है, ल एक परिवार अवैध रूप से शराब का व्यापार कर रहा है, जिससे माहोल बिगड़ रहा है। ग्रामीणों ने तहसीलदार भरत पांडे और थाना प्रभारी सुनीता विंदुआ को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि इस अवैध कारोबार पर तत्काल रोक लगाकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। ज्ञापन देने वालों में धर्मेंद्र, तिजिया, रतिराम, प्रमोद, दयाल,राजाराम, प्रेमलाल, रामू, भानु अहिरवार, भागचंद समेत दो दर्जन ग्रामीण मौजूद रहे।

इनका कहना है

ग्रामीणों से इस संबंध ज्ञापन मिला है। मामले में थाना प्रभारी से चर्चा करके शीघ्रता से उचित कार्रवाई की जाएगी।

भरत पांडे
तहसीलदार, बक्सवाहा

देशबन्धु

सागर, शुक्रवार 20 जून 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

न्यायपालिका की साख का सवाल

भारत के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि संविधान केवल शासन के लिए राजनीतिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह 'क्रांतिकारी वक्तव्य' है, जो गरीबी, असमानता और सामाजिक विभाजन से पीड़ित, औपनिवेशिक शासन के लंबे वर्षों से बाहर आ रहे देश को आशा की किरण दिखाता है। इटली के मिलान कोर्ट ऑफ अपील में बोलते हुए जस्टिस गवई ने कहा कि उन्हें यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि भारतीय संविधान के निर्माता इसके प्रावधानों का मसौदा तैयार करते समय सामाजिक-आर्थिक न्याय की अनिवार्यता के प्रति गहराई से सचेत थे। जस्टिस गवई सोलह आने सच बात कह रहे हैं। संविधान निर्माताओं ने तो हर तरह की गैरबराबरी दूर करने और सबके लिए एक समान न्याय की जरूरत का सिद्धांत संविधान बनाते वक्त सामने रखा। लेकिन क्या मौजूदा वक्त में जिन लोगों पर संविधान का पालन करने और न्याय देने की जिम्मेदारी है, वे इस सिद्धांत पर कायम हैं, या विचलित हो चुके हैं, इसकी पड़ताल करनी होगी।

बीते महीनों में दो ऐसे प्रकरण सामने आए हैं, जब जज की आसंदी पर बैठे लोगों की निष्ठा व इरादों पर सवालिया निशान लगे हैं। पिछले साल दिसंबर में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव ने विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में कथित तौर पर अल्पसंख्यकों के लिए ऐसी टिप्पणी की थी, जिस पर विवाद खड़ा हो गया था। बताया जाता है कि जस्टिस शेखर यादव ने कहा था कि देश को बहुसंख्यकों के हिसाब से चलना चाहिए। इस तरह के बयान को नफरती भाषण मानते हुए वरिष्ठ वकील और सांसद कपिल सिब्बल के नेतृत्व में 55 सांसदों ने 13 दिसंबर को ही उनके खिलाफ राज्यसभा स्पीकर यानी उपराष्ट्रपति को हटाने का प्रस्ताव सौंप दिया था। हालांकि जस्टिस यादव ने कहा था कि उनके बयान को तोड़मरोड़ कर पेश किया गया है।

दूसरा मामला मार्च का है, जब 14 मार्च 2025 को जस्टिस यशवंत वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास पर आग लगने की घटना हुई थी। आग बुझाने के लिए पहुंची दमकल विभाग की टीम और पुलिस ने मौके पर आधे जले हुए 500 रुपये के नोट और बड़ी मात्रा में नकदी देखी गई। इस मामले में बड़े भ्रष्टाचार के आरोप लगे तो जस्टिस यशवंत वर्मा ने इसे अपने खिलाफ बड़ी साजिश बताया।

दोनों ही मामलों से न्यायपालिका पर आम आदमी का भरोसा हिल गया। क्योंकि एक तरफ अल्पसंख्यकों के लिए भेदभावपूर्ण रवैया और हिंदुत्ववादी ताकतों की तरफ झुकाव दिखा और दूसरी तरफ इंसाफ करने वाले के बेईमान रवैये की बू आई। अब जस्टिस वर्मा मामले में महाभियोग चलाने की तैयारी हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा के घर नकदी मिलने के मामले पर तीन जजों की आंतरिक जांच समिति बनाई थी। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के जस्टिस शील नागु, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस जी एस संधावालिया और कर्नाटक हाई कोर्ट की जज जस्टिस अनु शिवारामन की इस समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें कहा गया है कि 14 मार्च को दिल्ली में उनके सरकारी आवास में आग लगने के दौरान वहां नकदी मिलने का मतलब है कि उन पर इसकी जिम्मेदारी है। अब सरकार ने संसद के आगामी मानसून सत्र में जस्टिस वर्मा के खिलाफ़ महाभियोग प्रस्ताव लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बता दें कि इस मामले में जांच पैनल ने 55 गवाहों के बयान दर्ज किए, जिनमें से कम से कम 10 गवाहों ने पुष्टि की कि उन्होंने जस्टिस वर्मा के आवास पर आधे जले हुए या पूरी तरह जले हुए नोट देखे थे। पैनल ने कहा कि आधे जले हुए नोटों की मौजूदगी और उनका आवास पर पाया जाना गंभीर सवाल उठाता है। यह नकदी के आने और उसके इस्तेमाल पर संदेह पैदा करता है। रिपोर्ट के अनुसार जस्टिस वर्मा ने न तो पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और न ही अपने वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों को इसकी सूचना दी। पैनल ने इसे 'अनुचित आचरण' और 'न्यायिक कर्तव्यों के प्रति लापरवाही' माना है और महाभियोग की सिफारिश की है।

इस मामले में कपिल सिब्बल ने कहा है कि कुछ वीडियो और मीडिया में आई जले नोटों की बातों को बिना जांच के आधार नहीं बनाया जा सकता। श्री सिब्बल का तर्क है कि जस्टिस वर्मा के खिलाफ आरोप इतने स्पष्ट नहीं हैं कि उन पर महाभियोग चलाया जाए। इसके साथ ही कपिल सिब्बल ने सरकार पर पक्षपात का आरोप लगाया कि जस्टिस शेखर यादव पर शिकायत के छह महीने बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। दरअसल दिसंबर में राज्यसभा सांसदों के हस्ताक्षरित शिकायती पत्र मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट जस्टिस शेखर कुमार यादव के खिलाफ इन हाउस जांच शुरू नहीं कर सका। राज्य सभा सचिवालय ने मार्च में ही इस मामले की सूचना सुप्रीम कोर्ट में सेक्रेटरी जनरल को पत्र लिखकर दे दी थी। इससे जजेज इन्क्वायरी एक्ट के तहत अनिवार्य प्रक्रिया शुरू हो गई, जिसके अनुसार अगर राज्यसभा अध्यक्ष प्रस्ताव स्वीकार करते हैं, तो उन्हें तीन सदस्यीय जांच पैनल का गठन करना होगा, जिसमें मुख्य न्यायाधीश या सुप्रीम कोर्ट के जज, हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और एक 'प्रख्यात न्यायविद' शामिल होंगे, जो उन आधारों की जांच करेंगे, जिनके आधार पर संबंधित जज को हटाने की मांग की गई है। इसके बाद समिति संबंधित जज के खिलाफ आरोप तय करेगी। चूंकि अब तक समिति गठित नहीं हुई है तो जस्टिस शेखर यादव मामले में जांच रुकी हुई है। इस पर श्री सिब्बल ने कहा कि एक तरफ राज्यसभा के महासचिव ने भारत के प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर कहा कि यादव के खिलाफ आंतरिक जांच को आगे न बढ़ाएं क्योंकि उच्च सदन में उनके खिलाफ एक याचिका लंबित है, जबकि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के मामले में उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और जब संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति, जो पदानुक्रम में दूसरे नंबर पर है, छह महीने में संवैधानिक दायित्वों को पूरा नहीं करता है तो सवाल उठना लाजमी है। श्री सिब्बल ने कहा, 'मैं उन लोगों से पूछना चाहता हूं जो संवैधानिक पदों पर बैठे हैं, उनकी जिम्मेदारी केवल यह सत्यापित करना है कि हस्ताक्षर हैं या नहीं? क्या इसमें छह महीने लगने चाहिए?' उन्होंने कहा कि एक और सवाल उठता है कि क्या यह सरकार 'पूरी तरह से सांप्रदायिक' टिप्पणी करने वाले शेखर यादव को बचाने की कोशिश कर रही है।

न्यायपालिका से जुड़े ये दोनों मामले संविधान और लोकतंत्र दोनों को चोट पहुंचा रहे हैं।

रिजर्व बैंक दर में कटौती का अर्थव्यवस्था पर बहुत कम प्रभाव पड़ेगा

■ नन्तू बनर्जी

पिछले दो वर्षों में देश की उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति दर 3.20 प्रतिशत के आसपास मंडरा रही है। ऐसे समय में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बैंक दर में 50 आधार अंकों की कटौती करने का नवीनतम निर्णय, जो इस वर्ष फरवरी से लगातार तीसरी कटौती है,समझ में आने लायक बात है। हालांकि , ऐसा लगता है कि यह गलत समय पर आया है क्योंकि यह भारत की अर्थव्यवस्था की अप्रैल से सितंबर तक के सामान्य वार्षिक कम कामकाज वाली छमाही के बीच में आया है, और कृषि उत्पादनों की कीमतें बढ़ रही हैं।

नियमित मानसून के बाद मौजूदा गर्मी के मौसम में दर में कटौती से उधार लेने और निवेश को बढ़ावा मिलने की संभावना नहीं है। ऐसा कभी हुआ भी नहीं। रिजर्व बैंक को भी उम्मीद नहीं है कि विकास अनुमान पिछले वर्ष के लगभग 6.4 प्रतिशत के स्तर से आगे बढ़ेगा। यह निर्णय बैंकिंग उद्योग के सावधि जमा जुटाने के प्रयास को अस्थिर कर सकता है। आम तौर पर, बैंक दर का उपयोग आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए मौद्रिक नीति उपकरण के रूप में किया जाता है। यदि वे आर्थिक विकास को और बढ़ावा देने में मदद नहीं करते हैं, तो उधार दरों को कम क्यों किया जाये? विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट ने चालू वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर को घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है।

हालांकि देश की वर्तमान आर्थिक वृद्धि दर को अन्य प्रमुख विश्व अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी अच्छा माना जाता है, लेकिन दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश की आजीविका को बेहतर बनाने के लिए इसे कई वर्षों तक लगातार बनाये रखने और विस्तारित करने की आवश्यकता है। भारत में प्रति व्यक्ति खपत अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी कम है। भारत की प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2025 में केवल 2,880 के आसपास होने का अनुमान है। यह भारत को 'निम्न मध्यम आय वाले देशों' की सूची में सबसे निचले पायदान पर रखता है।

प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में, जापान की प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33,900 है, जो भारत की तुलना में 11 गुना अधिक है। संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 89,000 है। भारत की शीर्ष 15 प्रतिशत आबादी और बाकी लोगों के खर्च करने के तरीकों में बहुत बड़ा अंतर है। भारत में खपत आबादी के एक छोटे से हिस्से द्वारा संचालित होती है, जबकि अधिकांश आबादी आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च करती है, जो एक महत्वपूर्ण आय असमानता को उजागर करती है। देश में बेरोजगारी और अल्परोजगार की दरें काफी अधिक हैं। यह बताता है कि रिजर्व बैंक द्वारा बैंक दर में बार-बार की गयी कटौती सार्वजनिक खपत और घरेलू निवेश को बढ़ाने में विफल रही है।

वर्तमान परिस्थितियों में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बार-बार की गयी दरों में कटौती से बचत और वाणिज्यिक बैंक के प्रदर्शन दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। यह अनुमान लगाना गलत हो सकता है कि कम बैंक दरें पारंपरिक बैंक सावधि जमाकर्ताओं को उच्च जोखिम वाले शेयर बाजार साधनों में बचत करने के लिए प्रेरित करेंगी। वैसे भी, देश की आबादी का केवल एक छोटा प्रतिशत ही शेयर बाजार में सक्रिय रूप से निवेश करता है। यह संख्या केवल पांच प्रतिशत के आसपास होने का अनुमान है। आम तौर पर पसंदीदा निवेश के रास्ते सावधि जमा और रियल एस्टेट हैं।

> देश की वर्तमान आर्थिक वृद्धि दर को अन्य प्रमुख विश्व अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी अच्छा माना जाता है, लेकिन दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश की आजीविका को बेहतर बनाने के लिए इसे कई वर्षों तक लगातार बनाये रखने और विस्तारित करने की आवश्यकता है। भारत में प्रति व्यक्ति खपत अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी कम है।

अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के बजाय, बार-बार केंद्रीय बैंक की दरों में कटौती से मुद्रास्फीति, कमजोर मुद्रा और बचत पर कम रिटर्न सहित नकारात्मक परिणाम होने की संभावना है। वे उच्च प्रतिफल की चाह रखने वाले निवेशकों द्वारा परिसंपत्ति बुलबुले और जोखिम उठाने का कारण भी बन सकते हैं। जबकि कम दरें उधार लेने और निवेश को प्रोत्साहित कर सकती हैं, वे सावधानी से प्रबंधित न किये जाने पर अस्थिर विस्तार को भी जन्म दे सकती हैं। कम दरें विदेशी पूंजी निवेशकों को भी हतोत्साहित करती हैं। कम ब्याज दरें किसी देश की मुद्रा को विदेशी निवेशकों के लिए कम आकर्षक बना सकती हैं, तथा संभावित रूप से अन्य मुद्राओं के मुकाबले इसके मूल्य को कमजोर कर सकती हैं। लगभग पूरी दुनिया में, सरकारें ब्याज दरों में कटौती करने के लिए केंद्रीय बैंकों पर दबाव डालती हैं। उस दबाव की सीमा और प्रकृति अलग-अलग होती है।

भारत में, सरकार केंद्रीय वित्त मंत्रालय में सेवानिवृत्त करियर नौकरशाह को देश के केंद्रीय बैंक के गवर्नर के रूप में नियुक्त करना पसंद करती है क्योंकि इसे अक्सर अपने राजनीतिक एजंडे को आगे बढ़ाने के लिए रिजर्व बैंक के प्रमुख अर्थशास्त्री से निपटना असहज लगता है। सरकार अक्सर देश के लिए अल्पकालिक लाभों पर ध्यान केंद्रित करती है, अक्सर इसकी लोकप्रियता के एक बेंचमार्क के रूप में, जबकि केंद्रीय बैंक पारंपरिक रूप से अत्यधिक खर्च को रोककर मुद्रास्फीति को रोकने के बारे में चिंतित रहता है।

यह प्रवृत्ति मुक्त लोकतांत्रिक दुनिया भर में आम है, जो अनिवार्य रूप से कार्यकारी शाखा और केंद्रीय बैंक के बीच एक निश्चित मात्रा में संघर्ष की ओर ले जाती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पहले से ही इस परंपरा का पालन करते देखे जा रहे हैं। अपने पहले कार्यकाल के दौरान, अमेरिकी केंद्रीय बैंक या फेडरल रिजर्व सिस्टम (जिसे आमतौर पर 'फेड' कहा जाता है) ने ब्याज दरें बढ़ाकर और आर्थिक गतिविधियों को प्रतिबंधित करके राष्ट्रपति ट्रम्प की नाराजगी मोल ली थी। राष्ट्रपति ट्रम्प को अपने मौजूदा कार्यकाल में भी यही समस्या हो रही है। फेड ने दरें स्थिर रखने का फैसला किया है, जिस पर राष्ट्रपति ने तीखी फटकार लगाई है।

भारत में, उधार दरों में कटौती अकेले घरेलू उत्पादन में निवेश में मदद नहीं करने जा रही है, भले ही इससे खपत की मांग बढ़े। डर यह है कि फंड की कम लागत से माल आयात में और वृद्धि हो सकती है। वास्तव में, बढ़ते माल आयात भारत के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, बावजूद देश की जीडीपी वृद्धि दर विश्व बैंक के 'निम्न मध्यम आय' समूह में देश की स्थिति के। भारत लगातार संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जर्मनी, जापान, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड, फ्रांस, इटली, दक्षिण कोरिया, कनाडा, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम और स्विट्जरलैंड जैसे 'उच्च आय समूह' देशों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है ताकि दुनिया के शीर्ष 15 माल आयात करने वाले देशों में से एक बना रहे।

भारत फ्रांस के बाद सूची में आठवें स्थान पर है और इटली, दक्षिण कोरिया, कनाडा, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम और स्विट्जरलैंड से आगे है। बैंक दरों के साथ रिजर्व बैंक के हेरफेर से घरेलू माल उत्पादन में तेजी लाने, आयात में कटौती करने और निर्यात को बढ़ावा देने में विफलता मिली है। इस प्रकार, सरकार से मजबूत नीति समर्थन की अनुपस्थिति में घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने में भारतीय केंद्रीय बैंक की भूमिका कुछ हद तक अस्पष्ट बनी हुई है।

भारत की आर्थिक विकास दर और मुद्रास्फीति के हाल के इतिहास को देखते हुए, इस स्तर पर रिजर्व बैंक द्वारा बार-बार दरों में कटौती करना अनावश्यक लग सकता है, अगर भ्रमित करने वाला न भी हो। पिछले 10 वर्षों में औसत मुद्रास्फीति दर लगभग 5.85 प्रतिशत रही है। 2016, 2017, 2018 और 2029 में मुद्रास्फीति दर चार प्रतिशत से कम थी। ट्रेडिंग इकोनॉमिक्स के अनुसार, 2015, 2020, 2021 और 2022 में यह दर अधिक रही, जो 2015 में 6.45 प्रतिशत से लेकर 2021 में 5.53 प्रतिशत तक रही। मासिक मुद्रास्फीति दर में उतार-चढ़ाव रहा है, जो नवंबर 2013 में 12.17 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया और जून 2017 में 1.54 प्रतिशत के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया।

कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में आर्थिक विकास संकुचन (-5.78 प्रतिशत) को छोड़कर, जीडीपी विकास दर 2021 (9.69 प्रतिशत), 2022 (7.61 प्रतिशत) और 2023 (8.15 प्रतिशत) में प्रभावशाली रही, जबकि बैंक ऋण दरें कमोबेश स्थिर और मजबूत रहीं। अर्थव्यवस्था अच्छी वृद्धि दिखा रही है। अभी आरबीआई की दरों में लगातार कटौती की कोई आवश्यकता नहीं थी, जो बाजार को भ्रमित कर सकती है - ऋणदाता, जमाकर्ता, उपभोक्ता और यहां तक कि विदेशी निवेशकों को भी।

क्यों है, बोधगया के महाबोधि मंदिर पर विवाद?

पटना के निकट बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर, बौद्ध धर्म के अनुयायियों का एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थान है क्योंकि भगवान गौतम बुद्ध को यहीं निर्वाण प्राप्त हुआ था। इस मंदिर का संचालन 'बोधगया मंदिर अधिनियम, 1949' के प्रावधानों के अनुसार होता है और 'बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति' (बीटीएमसी) इसका प्रबंधन करती है। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, मंदिर के नियंत्रण मंडल में हिंदू और बौद्ध समान संख्या में होते हैं। इस साल फरवरी से कई बौद्ध भिक्षु इन प्रावधानों का विरोध कर रहे हैं। उनकी मांग है कि मंदिर के क्रियाकलापों का संचालन करने वाले इस मंडल के सभी सदस्य बौद्ध हों।

इस विरोध का कारण नियंत्रण मंडल की मिश्रित प्रकृति के चलते धीरे-धीरे मंदिर का ब्राह्मणीकरण होना है। धरने पर बैठे आकाश लामा ने उनके विरोध को समझाते हुए कहा, 'यह मात्र एक मंदिर का सवाल नहीं है। यह हमारी पहचान और गौरव का सवाल है। हम अपनी मांगें शांतिपूर्ण ढंग से सामने रख रहे हैं। जब तक हमें सरकार से लिखित आश्वासन नहीं मिलेगा, तब तक, अनिश्चित काल तक, हमारा विरोध जारी रहेगा।' धरने पर बैठे भिक्षुओं का कहना है कि 'महाबोधि महाविहार का ब्राह्मणीकरण किया जा रहा है। प्रबंधन और समारोहों में ब्राह्मणवादी अनुष्ठान बढ़ते जा रहे हैं, जिससे बौद्ध समुदाय की आस्था और विरासत को गहरी चोट पहुंच रही है।'

राम पुनियानी

> हम एक अटपटे दौर में जी रहे हैं जहां खुलेआम धर्म का इस्तेमाल राजनैतिक एजेन्डे को आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। बौद्ध मंदिर का संचालन ब्राह्मणवादी तौर-तरीकों से हो रहा है, और सूफी दरगाहों का ब्राह्मणीकरण किया जा रहा है। बौद्ध भिक्षु अपने पवित्र स्थान का संचालन उनकी अपनी आस्थाओं और मानकों के अनुसार करना चाहते हैं और उसके ब्राह्मणीकरण का विरोध कर रहे हैं।

भारत में बौद्ध धर्म और ब्राह्मणवाद के टकराव का लंबा इतिहास रहा है। जहां बौद्ध धर्म समानता का संदेश देता है वहीं ब्राह्मणवाद जाति एवं लिंग की जन्म से निर्धारित होने वाली ऊंच-नीच पर आधारित है। बुद्ध का सबसे प्रमुख संदेश उस काल में प्रचलित जाति एवं लिंग आधारित भेदभाव के खिलाफ था। सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म स्वीकार किए जाने के बाद यह धर्म भारत में और दूसरे देशों में, खासकर दक्षिण पूर्व एशिया में बड़े पैमाने पर फैला। अशोक ने भगवान बुद्ध का संदेश पहुंचाने के लिए प्रचारकों को दुनिया के कई देशों में भेजा।

बुद्ध ने अपने दौर में पशुबलि, विशेषकर गायों की बलि देने की गैर-जरूरी प्रथा को भी समाप्त करने का आह्वान किया था। इस सबसे ब्राह्मणों के सामाजिक एवं आर्थिक हितों पर विपरीत प्रभाव हो रहा था और वे बौद्ध धर्म के विस्तार से बेचैनी महसूस कर रहे थे। उन्हें तब बहुत राहत मिली जब अशोक के पौत्र बृहद्रथ के सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने बृहद्रथ की हत्या कर सिंहासन पर कब्जा कर लिया और शुंग वंश की स्थापना की। इसके साथ ही ब्राह्मणवाद का बोलबाला बढ़ने लगा और बौद्ध धर्म का अस्त होना शुरू हो गया। पुष्यमित्र ने बौद्धों का जबरदस्त उत्पीड़न किया। कहा जाता है कि उसने बौद्ध मठों को जलवाया, स्तूपों को नष्ट किया और यहां तक कि बौद्ध भिक्षुओं का सिर काटकर लाने वालों को पुरस्कृत करने की घोषणा की। इसके चलते बौद्ध धर्म का पतन होने लगा और ब्राह्मणवाद कायम होता गया।

बाद में अत्यंत प्रभावशाली दार्शनिक, कलाडी (एर्नाकुलम, केरल) के शंकराचार्य ने ब्राह्मणवाद के पक्ष में तर्क दिए। वे किस काल में हुए इसे लेकर विवाद है। जहां परंपरागत रूप से माना जाता है कि उनका जीवनकाल 788 से 820 ईस्वी का था, वहीं कुछ अध्येताओं का कहना है कि वे इससे बहुत पहले हुए थे और उनका जन्म 507 से लेकर 475 ईसा पूर्व के बीच हुआ था। जो भी हो, यह तो निश्चित है कि वे उत्तर पश्चिम से हुए मुस्लिम राजाओं के 'आक्रमणों' के पहले हुए थे।

शंकराचार्य का लक्ष्य ब्राह्मणवाद को अनावश्यक कर्मकांडों से मुक्त कराना था। उनका दर्शन, बौद्ध दर्शन से ठीक उलट था। भारतीय इतिहास और राजनीति के विद्वान और 'द आइडिया ऑफ इंडिया' के लेखक सुनील खिलनानी लिखते हैं, 'उन्होंने पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में उन बौद्ध दार्शनिकों पर तीखे शाब्दिक हमले किए जो बुद्ध की तरह यह शिक्षा देते थे कि दुनिया में सब कुछ अस्थायी है और ईश्वर के अस्तित्व से भी इनकार करते थे। ('इन्कारनेशन्स: इंडिया इन 50 लाईव्स', 2016)। शंकराचार्य यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में थे और 'दुनिया को माया' मानते थे। बुद्ध दुनिया को वास्तविकता मानते थे जिसमें दु:ख व्यापक रूप से मौजूद थे। इसका आशय यह था कि दुखों की ओर ध्यान दिया जाना चाहिए, उन्हें दूर करने के उपाय किए जाने चाहिए।

कुल मिलाकर इन आक्रमणों के कारण बौद्ध धर्म भारत से लुप्तप्राय हो गया और तब तक हाशिए पर बना रहा जब तक बाबा साहेब अम्बेडकर ने बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ बौद्ध धर्म ग्रहण नहीं किया। इसके पहले भक्तिकाल के संतों ने भी जातिप्रथा के विरोध जैसे बौद्ध धर्म के कुछ मूल्यों की बात की थी। इनमें से कई संतों को उस समय के ब्राह्मणवादियों ने प्रताड़ित भी किया था।

दलितों की समानता के पक्ष में बड़ा बदलाव आज़ादी के आन्दोलन के दौरान शुरू हुआ। जोतिबा और सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा और समाजसुधार के क्षेत्रों में जबरदस्त काम किया। इन प्रयासों के जोर पकड़ने के साथ ही ब्राह्मणवाद के समक्ष चुनौती खड़ी हो गई। ब्राह्मणवादियों ने इस उभरती हुई चुनौती का जवाब राजनैतिक कदम उठाते हुए पहले 'हिन्दू महासभा' और बाद में 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' (आरएसएस) का गठन करके दिया। ये संगठन यथास्थिति और ब्राह्मणवादी मूल्यों को कायम रखने के इरादे को अभिव्यक्त करते हैं और 'मनुस्मृति' उनके लक्ष्यों का प्रतीक है।

हम एक अटपटे दौर में जी रहे हैं जहां खुलेआम धर्म का इस्तेमाल राजनैतिक एजेन्डे को आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। बौद्ध मंदिर का संचालन ब्राह्मणवादी तौर-तरीकों से हो रहा है, और सूफी दरगाहों का ब्राह्मणीकरण किया जा रहा है। बौद्ध भिक्षु अपने पवित्र स्थान का संचालन उनकी अपनी आस्थाओं और मानकों के अनुसार करना चाहते हैं और उसके ब्राह्मणीकरण का विरोध कर रहे हैं। उनका आन्दोलन भगवान गौतम बुद्ध की समानता और अहिंसा के विपरीत मूल्यों को लादने के विरोध में है।

(अंग्रेजी से रूपांतरण:- अमरीश हरदेनिया, लेखक नेशनल कम्यूनल हार्मोनी अवार्ड से सम्मानित हैं।)

आपके पत्र

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का अब दिखने लगा है कौशल

बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ का अभियान 2015 में प्रधानमंत्री मोदी ने शुरू किया। दस वर्ष के बाद अब जागरूकता देखने को मिल रही है। माता-पिता बेटियों को पढ़ाने में रुचि ही नहीं ले रहे हैं,बल्कि बेटियों का मनोबल बढ़ा है और बेटियां अच्छे श्रेणी से पास हो रही है। देश मे दसवीं और बारहवी की कुल छात्राओं में उत्साह बढ़ा है,बल्कि अच्छे नम्बरो से पास होने का प्रतिशत भी बढ़ा है। आज बच्चियों को किसी के कहने की जरूरत नहीं रही, वे स्वयं आगे चलकर आगे पढ़ने के लिए अपने अभिभावकों को समझा रही हैं। गांवों में प्राथमिक शिक्षा के बाद बेटियों को स्कूल नहीं भेजा जाता था लेकिन शिक्षा का स्तर सुधरने और गांवों में बारहवीं तक के स्कूल खुलने से बच्चियों को कॉलेज में ही शहर का रुख करना पड़ रहा है। यहां तक तहसील और उप तहसील में कॉलेज का नवनिर्माण हो रहा है। आज पढ़ाई इतनी सरल और सुगम हो गई है कि बेटियों को अब कोई परेशानी नहीं होगी। विज्ञान जैसे विषय को लेकर पहले से अब लड़कियों का रुझान बढ़ा है। यह चोंकाने वाली बात है कि जो बेटी बचाओ बेटी बढ़ाओ का बीज 2015 में बोया था वह अब अंकुरित होकर फल दे रहा है। दसवीं और बारहवीं के लिए कराए गए सर्वेक्षण को लेकर 2024 में शामिल होने वाली छात्राओं का 10.60 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। यह 2013 से 2024 के इन वर्षों में वृद्धि देखने को मिली है। बेटियों की संख्या में 19.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। 60 प्रतिशत से अधिक अंकों से पास होने वाली छात्राओं में 85.08 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वही बेटियों की 95.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इसी में एसटी वर्ग की बेटियों में 251 प्रतिशत तो एससी वर्ग में 157 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अभियान में जिस तरफ रुझान बढ़ा है,वहीं बेटियों को सरकारी नौकरी में अवसर मिला है। विज्ञान की पढ़ाई में एसटी और एससी की छात्राओं में भारी वृद्धि हुई है। समाज में बदलाव देखने को मिल रहा है। बेटियों की दसवीं बोर्ड की पढ़ाई में तीन प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। समाज में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। शिक्षा के बिना अधूरा जीवन अभिशाप कहा जाता है। पढ़ाई के लिए वंचित रखने वाली सरकार देश के विकास को खतरा समझती है। यही सच्चाई है कि शिक्षा का स्तर बड़ी तेजी से बढ़ा है।

-कांतिलाल मांडोत, सूरत

ललित सुरजन की कलम से

मानसरोवर यात्रा पर राहुल

'मुझे बांग्ला के प्रसिद्ध उपन्यासकार प्रबोध कुमार सान्याल का फिर स्मरण हो आता है। उन्होंने 'हुस्नबानो' उपन्यास लिखा था जिसमें पूर्व और पश्चिम, हिन्दू और मुस्लिम के द्वैत से हटकर बंगाल की सांस्कृतिक एकता पर बल दिया गया था। यह उपन्यास धर्मनिरपेक्षता की पुरजोर वकालत करता है। मजे की बात है कि इन्हीं प्रबोध कुमार सान्याल ने दो बार हिमालय की सुदीर्घ यात्राएं कीं। उनके यात्रा विवरण 'देवतात्मा हिमालय' और 'महाप्रस्थान के पथ पर' इन दो ग्रंथों में संकलित हैं। एक व्यक्ति अपने निजी धार्मिक विश्वासों के बावजूद कैसे धर्म की संकीर्णता से उबर सकता है श्री सान्याल उसका प्रबल प्रमाण हैं। उस दौर में वे ऐसे अकेले व्यक्ति नहीं थे। सच कहें तो सारे देश का माहौल कुछ इसी तरह का था कि धरम-करम घर तक सीमित रखो, और सार्वजनिक जीवन में संकीर्ण मतवाद से दूर रहो। हमने तो रायपुर में देखा है कि गणेश उत्सव और नवरात्रि के समय पंडालों में सार्वजनिक महत्व के विषयों पर भाषण व वाद विवाद आदि कार्यक्रम होते थे और उनमें विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, कॉलेज के प्राचार्य, पत्रकार, कलाकार इत्यादि बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते थे। उनमें तब आज जैसा धार्मिक आस्था का भौंडा प्रदर्शन नहीं होता था।'

(देशबन्धु में 06 सितंबर 2018 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2018/09/blog-post.html

पावन प्रसंग

जितनी विनम्रता उतनी ही वरिष्ठता

लोकसेवियों की समर्थता, वरिष्ठता उनकी विद्या, बुद्धि, आयु, वंश आदि के आधार पर नहीं, वरन व्यक्तित्व की विशिष्टता के साथ अविच्छिन्न रूप से संबद्ध है। बड़ा, उससे बड़ा, सबसे बड़ा बनने की ललक इतनी मदांध हो जाती है कि न न्याय सूझता न औचित्य न परिणाम, न मर्यादाओं का ध्यान रहता है और न नम्रता सधती है। बैल बनने की प्रतिस्पर्द्धा में एक मेंढ़क अपने पेट में हवा भरता चला गया और अंत में उदर कलेवर फट जाने पर बेमौत मरा। यह कहानी मनुष्यों पर भी लागू होती है। जितनी जल्दी बन पड़े, जितना अधिक बटोरना संभव हो उतना बिना प्रतीक्षा किए, बिना मूल्य चुकाए, किसी भी छल-छद्म से अपने लिए उपलब्ध कर लिया जाए। यही है, सेवामार्ग पर चलने वालों की दुर्गति बनाने वाली ललक, भावनात्मक अवगति। आश्चर्य होता है कि जब ख्याति की, पदवी की इतनी अधिक लिप्सा थी तो उसके लिए दूसरे सस्ते उपाय, हथकंडे हो सकते थे। सेवा का जटिल मार्ग क्यों चुना जाए? यदि चुन ही लिया गया हो तो सेवा की अभिन्न सहचरी नम्रता को भी साथ लेकर चलना था। सेवाधर्म के साथ शालीनता का समन्वय रहना चाहिए। लोकसेवी की निस्पृह एवं विनम्र होना चाहिए। इसी में उसकी गरिमा और उज्ज्वल भविष्य की संभावना है। जो बड़प्पन लूटने, साथियों की तुलना में अधिक चमकने, उछलने का प्रयत्न करेंगे वे औंधे मुंह गिरेंगे और अपने दांत तोड़ लेंगे। साथी क्यों किसी का दर्प से, किसी के बड़े बनने का अपनी हेठी क्यों स्वीकार करें।

संस्थाओं के विघटन में यह पदलोलुपता ही प्रधान कारण रही है। कृष्ण का यादव वंश कोई भूखा नहीं था, लेकिन उसका हर सदस्य अपनी विशिष्टता सिद्ध करने और अन्यों को गिराने के लिए सामूहिक आत्मघात की स्थिति तक जा पहुंचा। जहां बहुत लोग नेता बने, जहां बहुतों की महत्वाकांक्षा,यश-लिप्सा होंगे, वह दल अंततः नष्ट होकर ही रहता है। भगवान कृष्ण ने महाभारत के उपरांत हुए राजसूय यज्ञ में आग्रहपूर्वक आगंतुकों के पैर धोने का काम अपने जिम्मे लिया था और सज्जनोचित विनम्रता का परिचय दिया था। गांधीजी कांग्रेस के पदाधिकारी नहीं रहे, किंतु फिर भी सबसे अधिक सेवा करने और मान पाने में समर्थ हुए।

युगशिल्पियों को राजकाजी लोगों की तरह बड़प्पन, ठाठ-बाट, वैभव की न तो चाह करनी चाहिए और न उसके लिए अपने पुनीत क्षेत्र में हाथ-पैर पीटकर ईर्ष्या, द्वेष का विष बोना चाहिए। जो जितना बड़ा होगा, वह उतना ही नम्र होकर रहे। अनुशासन का पालन के और योग्यता के अनुरूप वर्चस्व पाने का प्रयास न करें। मिशन में योग्यता का नहीं, उस सज्जनता का महत्व है, जिसके साथ नम्रता, निरहंकारिता अविच्छिन्न रूप से जुड़ी है। हम में से कोई अहंकार प्रदर्शित न करे। छोटा बन कर रहें और अनुशासन का पालन करने में अपना गौरव समझे। गुरु गद्दी के इच्छुकों में से सभी को अयोग्य ठहराकर गुरु रामदास ने अपना उत्तराधिकारी अर्जुन देव को इस आधार पर घोषित किया कि वे नम्रता, निस्पृहता और अनुशासन पालन में अग्रणी पाए गए। सेवाधर्म भी एक प्रकार से हलकी संन्यास परंपरा है। उसमें भूतकाल में अर्जित योग्यताओं, वरिष्ठताओं को प्रायः पूरी तरह भुलाकर मिशन की गरिमा के साथ जुड़े हुए एक स्वयंसेवी के हाथों में जितनी प्रतिष्ठा लगती है, उसी में संतोष करना होता है। स्मरण रहे कि अधिक वरिष्ठ व्यक्ति अधिक विनम्र होते हैं। फलों से डालियां लद जाने पर आम का वृक्ष धरती की ओर झुकने लगता है वरना अकड़ने पर तो पतझड़ के डंठल ही हैं इसलिए अपने साथियों को स्नेह,सहयोग देने में हम अग्रणी रहें। सफलता की चर्चा में उनके श्रम, सहयोग का उल्लेख करें। कर्तव्य पालन सर्वोपरि मानें और अधिकार के दावेदार न बनें। ऐसी निरहंकारिता का खाद-पानी पाकर ही वे सप्त महाव्रत कल्पवृक्ष की तरह फलते फूलते और सिद्ध सफलताओं से लादते हैं, जिन्हें सेवाक्षेत्र में काम करने वालों को उपलब्ध होने वाले दिव्य वरदान कहा गया है।

युग निर्माण योजना

विश्व सिकल सेल दिवस पर आज राज्य स्तरीय कार्यक्रम आज बड़वानी

उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को राज्यपाल और मुख्यमंत्री करेंगे सम्मानित

जनजागरूकता के लिए सिकल सेल मित्र पहल की होगी शुरुआत

भोपाल, देशबन्धु। राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047 के अंतर्गत विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को बड़वानी में ग्राम पंचायत तलून के खेल स्टेडियम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल सहित अन्य मंत्रीगण कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस अवसर पर कई नवाचारों का शुभारंभ किया जाएगा जिनमें जेनेटिक काउंसलिंग जागरूकता वीडियो और प्रभावित गर्भवती महिलाओं के लिए व्यापक दिशा निर्देश और मॉड्यूल शामिल हैं। लक्षित आयु वर्ग की शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग पूर्ण करने वाली पंचायतों को सम्मानित किया जाएगा। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के एनसीसी निदेशॉलय के सहयोग से सिकल सेल मित्र पहल की शुरुआत भी की जायेगी। सिकल सेल मित्र युवा आबादी में जागरूकता के लिए सेवा प्रदाताओं के बीच लिंक के रूप में कार्य करेंगे।

सिकल सेल दिवस पर संपूर्ण प्रदेश में सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता लाने के लिए गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। सिकल सेल प्रभावित 33 जिलों में विशेष परामर्श शिविर लगाए जाएंगे, जहाँ आनुवांशिक परामर्श, रोग प्रबंधन, भावी पीढ़ी के लिए संभावनाओं और आवश्यक चिकित्सकीय सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। उप-केन्द्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष शिविर लगाकर रोगियों की पहचान, स्क्रीनिंग और परिवार के अन्य सदस्यों की भी जांच की जायेगी।

सिकल सेल रोगियों और उनकी देखभाल कर्ताओं को पेन क्राइसिस जैसी तीव्र स्थितियों में प्रबंधन के तरीकों से अवगत कराया जाएगा। प्रभावित जिले में विशेष रूप से प्रभावित जनजातीय एवं ग्रामीण पंचायतों में स्क्रीनिंग और परामर्श के लिए अभियान चलाया जाएगा। राज्य स्तर पर विकसित जेनेटिक कॉउंसलिंग कार्ड का वितरण किया जाएगा, जिससे लोगों को आनुवांशिक जानकारी समझने में सुविधा होगी। दिव्यांग योजनाओं और वित्तीय सहायता से सिकल-सेल रोगियों को जोड़ने की प्रक्रिया सरल करने के लिए यूडीआईडी कार्ड निर्माण के लिए मेगा शिविर भी लगाए जाएंगे।

योग दिवस पर मुख्यमंत्री उज्जैन में राष्ट्रीय कार्यशाला को करेंगे संबोधित

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार 21 जून को खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला, डोंगला, उज्जैन में करेंगे। कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और शिक्षाविद शामिल होंगे। इस दौरान अनेक शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इनमें योग शिविर, शून्य छाया अवलोकन, साइंस शो, स्टेम वर्कशॉप, व्याख्यान एवं परिचर्चा प्रमुख हैं।

अत्याधुनिक तारामंडल का करेंगे लोकार्पण

कार्यशाला भारतीय खगोलशास्त्र की परंपरा और उसकी वैज्ञानिक प्रासंगिकता पर केंद्रित होगी। विशेषज्ञ भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक विज्ञान के समन्वय पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यशाला में खगोल विज्ञान के साथ-साथ भारत की प्राचीन ज्ञान परंपराओं को आधुनिक विज्ञान से जोड़ने का प्रयास किया जायेगा। कार्यशाला का आयोजन म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, भोपाल, विज्ञान भारती, आचार्य वराहमिहिर न्यास उज्जैन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल एवं वीर भारत न्यास के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव पद्मश्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर वेधशाला में शंकु यंत्र के माध्यम से शून्य छाया अवलोकन करेंगे। साथ ही आचार्य वराहमिहिर न्यास एवं अवादा फाउंडेशन द्वारा निर्मित अत्याधुनिक तारामंडल का लोकार्पण भी करेंगे। इस दौरान तारामंडल-शो का प्रदर्शन भी किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव वेधशाला स्थित ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन-सत्र को संबोधित करेंगे। परिचर्चा सत्र में खगोल विज्ञान और भारतीय ज्ञान परंपरा पर चर्चा होगी।

गडकरी ने वार्षिक पास का किया ऐलान

3 हजार का वार्षिक फास्टैग पास होगा शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को वार्षिक फास्टैग का ऐलान किया। सरकार की ओर से यह घोषणा निजी वाहन चालकों पर टोल के बोझ को कम करने के लिए की गई है। केंद्रीय मंत्री की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, एक ऐतिहासिक पहल के तहत, 15 अगस्त 2025 से 3,000 रुपए की कीमत वाला फास्टैग आधारित वार्षिक पास शुरू किया जा रहा है। यह पास सक्रिय होने की तिथि से एक वर्ष तक या 200 यात्राओं तक, जो भी पहले हो, वैध रहेगा। इस वार्षिक पास से निजी वाहन चालकों को बार-बार फास्टैग रिचार्ज से करने से छुटकारा मिल जाएगा और वे आसानी से बिना किसी रुकावट से यात्रा कर पाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने पोस्ट में आगे लिखा, यह पास केवल गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों (कार, जीप, वैन आदि) के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है और यह देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर निर्बाध यात्रा को संभव बनाएगा। वार्षिक पास को रिन्यू करने लिए जल्द ही राजमार्ग यात्रा ऐप और एनएचएआई / एमओआरटीएच की वेबसाइट्स पर एक अलग लिंक उपलब्ध करवाया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल और सुगम होगी। केंद्रीय मंत्री के मुताबिक यह नीति 60 किलोमीटर के दायरे में स्थित टोल प्लाजाओं को लेकर लंबे समय से चली आ रहें चिंताओं को संबोधित करेगी और एक ही सुलभ लेनदेन के माध्यम से टोल भुगतान को सहज बनाएगी। वार्षिक पास नीति, प्रतीक्षा समय घटाकर, भीड़ कम कर और टोल प्लाजाओं पर विवाद को समाप्त कर, लाखों निजी वाहन चालकों के लिए तेज, सुगम और बेहतर यात्रा अनुभव के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले महीने चर्चा थी कि सरकार एक नई टोल नीति पर काम कर रही है, जो यात्रियों के लिए राजमार्ग यात्रा को अधिक सहज और किफायती बना सकती है। इससे पहले अप्रैल में सरकार ने कहा था कि टोल प्लाजा पर वाहनों की निर्बाध, बिना किसी परेशानी के आवाजाही को सक्षम करने और यात्रा के समय को कम करने के लिए चुनिंदा टोल प्लाजा पर 'एएनपीआर-फास्टैग बेस्ट बैरियर-लैस टोलिंग सिस्टम' लागू किया जाएगा।

मंत्रालय ने बताया था कि यह एडवांस टोलिंग सिस्टम 'ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन' (एएनपीआर) टेक्नोलॉजी, जिसमें नंबर प्लेट से वाहनों की पहचान की जाती है और 'फास्टैग सिस्टम', जो कि रेडियो-फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) पर काम करता है, दोनों का मिश्रण होगा। इस सिस्टम के तहत वाहनों से टोल हाई परफॉर्मेंस वाले एएनपीआर कैमरा और फास्टैग रीडर्स के माध्यम से लिया जाएगा, जिसमें वाहनों को टोल प्लाजा पर रुकने की आवश्यकता नहीं होगी।

टाइगर रिजर्व में बढ़ी विदेशी पर्यटकों की संख्या

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व बना पर्यटकों की पहली पसंद

भोपाल। वन्य-जीव पर्यटन में मध्यप्रदेश विशेष आकर्षण का केन्द्र बनकर उभरा है। टाइगर रिजर्व में देशी और विदेशी पर्यटकों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। प्रदेश के टाइगर रिजर्व में वर्ष 2024-25 में बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 32 हजार 528, कान्हा टाइगर रिजर्व में 23 हजार 59, पन्ना टाइगर रिजर्व में 15 हजार 201, पेंच टाइगर रिजर्व में 13 हजार 127 और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में 10 हजार 38 विदेशी पर्यटक आये। जबकि गत वर्ष 2023-24 में बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व में विदेशी पर्यटकों की संख्या 25 हजार 894, कान्हा टाइगर रिजर्व में 18 हजार 179, पन्ना टाइगर रिजर्व में 12 हजार 538, पेंच टाइगर रिजर्व में 9 हजार 856 और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में 6 हजार 876 थी। बाँधवगढ़ टाइगर रिजर्व पर्यटकों की पहली पसंद बन रहा है। टाइगर रिजर्व में पर्यटकों की संख्या में प्रतिवर्ष वृद्धि हो रही है। वर्ष 2020-21 में भारतीय पर्यटकों की संख्या एक लाख 20 हजार 800, वर्ष 2021-22 में एक लाख 69 हजार 738, वर्ष 2022-23 में एक लाख 64 हजार 559, वर्ष 2023-24 में एक लाख 23 हजार 32 और वर्ष 2024-25 में माह मई तक एक लाख 60 हजार 500 रही। साथ ही विदेशी पर्यटकों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। वर्ष 2020-21 में 109 (कोविड काल), वर्ष 2021-22 में 5 हजार 945, वर्ष 2022-23 में 21 हजार 266, वर्ष 2023-24 में 25 हजार 894 और वर्ष 2024-25 में माह मई तक 32 हजार 528 विदेशी पर्यटक आये। यानि कुल 5 वर्ष में भारतीय पर्यटकों की संख्या 7 लाख 38 हजार 637 और विदेशी पर्यटकों की संख्या 85 हजार 742 रही। इस प्रकार कुल 8 लाख 24 हजार 379 पर्यटकों की संख्या रही। इन पर्यटकों से वर्ष 2020-21 में लगभग 4 करोड़ 65 लाख, वर्ष 2021-22 में 11 करोड़ 88 लाख, वर्ष 2022-23 में 13 करोड़ 90 लाख, वर्ष 2023-24 में 14 करोड़ 10 लाख और वर्ष 2024-25 में मई माह तक 16 करोड़ 67 लाख, इस प्रकार कुल 5 वर्षों में टाइगर रिजर्व की लगभग 61 करोड़ 22 लाख की आय प्राप्त हुई।

ग्वालियर की लाड़ली बहनाओं ने मुख्यमंत्री को सौंपा बधाई पत्र

भोपाल, देशबन्धु। ग्वालियर की लाड़ली बहनाओं ने ग्वालियर विमानतल पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को धन्यवाद पत्र भेंट करते हुए कहा कि लाड़ली बहना योजना के माध्यम से आपकी बहनों को बहुत संबल मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रात्रि लगभग 10 बजे दिल्ली से विमान द्वारा ग्वालियर पधारे। विमानतल पर ग्वालियर की लाड़ली बहनाओं ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश में लाड़ली बहनाओं के माध्यम से जो महिलाओं को सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है, उसकी प्रशंसा की और मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद भी प्रकट किया। इस मौके पर उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद भारत सिंह कुशवाह, विधायक मोहन सिंह राठौर, भाजपा जिला अध्यक्ष शहर जयप्रकाश राजौरिया व ग्रामीण अध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत व पूर्व मंत्री रामनिवास रावत सहित जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर रुचिका चौहान ने मुख्यमंत्री को ग्वालियर में लाड़ली बहना योजना के क्रियान्वयन के संबंध में बारे में जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने वीरांगना लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर किया नमन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की अमर नायिका, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर उन्हें आदरपूर्वक श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने मातृभूमि की आजादी के लिए अलख जलाकर तत्कालीन समय में अखंड भारत को जागृत करने का कार्य किया था। शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस के इतिहास में वीरांगना लक्ष्मीबाई का स्वर्णिम अध्याय देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा।

इस बार जनगणना में पूछे जाएंगे ये 6 नए सवाल

कौन सा अनाज खाते हो, घर में कितने फोन?

नई दिल्ली, देशबन्धु। भारत में होने वाली जनगणना देश की सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय तस्वीर को समझने का एक महत्वपूर्ण साधन है। इस लिहाज से 2027 में होने वाली जनगणना कई मायनों में ऐतिहासिक होगी, क्योंकि यह पहली बार पूरी तरह डिजिटल रूप से आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, आजादी के बाद पहली बार जाति जनगणना होगी। यह 1931 के बाद पहला अवसर होगा जब देश की सभी जातियों का डाटा कलेक्ट किया जाएगा। इस जनगणना में कुछ नए सवाल शामिल किए गए हैं जो आधुनिक जीवनशैली और विकास के मापदंडों पर केंद्रित हैं। इन नए सवालों में घर में इंटरनेट कनेक्शन, मोबाइल और स्मार्टफोन की उपलब्धता, पीने के पानी का स्रोत, गैस कनेक्शन का प्रकार, वाहनों की उपलब्धता और घर में उपयोग होने वाले अनाज का प्रकार शामिल हैं।

1. घर में इंटरनेट का कनेक्शन है : इस सवाल का उद्देश्य डिजिटल कनेक्टिविटी का आकलन करना है। सरकार यह जानना चाहती है कि कितने परिवारों के पास इंटरनेट कनेक्शन है और इसका उपयोग कितने डिवाइस के साथ हो रहा है। यह डेटा डिजिटल इंडिया पहल की प्रगति को मापने में मदद करेगा और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में डिजिटल डिवाइड को समझने में सहायक होगा।

2. मोबाइल फोन और स्मार्टफोन व इनका मालिकाना किसका है : इस सवाल के तहत यह पूछा जाएगा कि परिवार में कितने मोबाइल फोन और स्मार्टफोन हैं और इनका मालिकाना हक किसके पास है। यह डेटा मोबाइल और स्मार्टफोन की पहुंच को मापने में मदद करेगा, जो शिक्षा, वित्तीय समावेशन और डिजिटल सेवाओं के उपयोग में महत्वपूर्ण है।

3. घर के अंदर पीने के पानी का स्रोत क्या है : पीने के पानी का स्रोत एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य और स्वच्छता संकेतक है। इस सवाल के माध्यम से सरकार यह जानना चाहती है कि परिवार कुएं, हैंडपंप, नल, बोतलबंद पानी या अन्य स्रोतों का उपयोग करते हैं। यह जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं की प्रगति को मापने में सहायक होगा।

4. किस तरह का गैस कनेक्शन है : इस सवाल में यह पूछा जाएगा कि खाना पकाने के लिए परिवार किस प्रकार के ईंधन का उपयोग करता है- एलपीजी, पीएनजी, लकड़ी, गोबर के कंडे या अन्य। यह स्वच्छ ऊर्जा और उज्ज्वला योजना जैसे कार्यक्रमों की सफलता को समझने में मदद करेगा।

5. कौन-कौन सी गाड़ी है? : इस सवाल के तहत परिवार के पास उपलब्ध वाहनों जैसे साइकिल, स्कूटर, मोटरसाइकिल, कार, जीप या वैन की जानकारी एकत्र की जाएगी। यह डेटा परिवहन और आर्थिक स्थिति के विश्लेषण में सहायक होगा।

6. घर में किस तरह का अनाज प्रयोग करते हैं? : यह सवाल खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति को समझने के लिए शामिल किया गया है। सरकार यह जानना चाहती है कि परिवार मुख्य रूप से गेहूं, ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी या अन्य अनाज का उपयोग करते हैं।

डिजिटल जनगणना- एक नया युग-जनगणना 2027 में पहली बार पेपरलेस प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसके लिए एक विशेष मोबाइल ऐप और ऑटो-कैल्कुलेशन पोर्टल विकसित किया गया है, जहां लोग अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को एक यूनिक आईडी नंबर प्रदान किया जाएगा, जो डेटा की गोपनीयता और सटीकता सुनिश्चित करेगा। इसके अलावा, जीपीएस तकनीक का उपयोग करके डेटा कलेक्शन की सटीकता को बढ़ाया जाएगा, और फील्ड सपोर्ट व डायग्नोस्टिक टूल्स की मदद से समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाएगा।

अपहृत 12 ग्रामीणों को नक्सलियों ने छोड़ा, 3 की ली जान, 13 साल के बच्चे को भी नहीं छोड़ा

बीजापुर, एजेंसी। बीजापुर के पेदाकोरमा में नक्सलियों ने मंगलवार शाम तीन ग्रामीणों की हत्या की थी। इसके बाद 12 लोगों को बंधक बनाकर अपने साथ ले गए थे। बुधवार सुबह नक्सलियों ने बंधक बनाए गए ग्रामीणों को रिहा कर दिया है। बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने ग्रामीणों से पूछताछ करने के बाद उन्हें छोड़ दिया।

रणनीति बनाकर की गई हत्याएं : नक्सलियों ने जिन तीन लोगों की हत्या की उनके नाम जूंगू मोडियम, सोमा मोडियम, अनिल मांडवी है। जिन्हें सोमवार 16 जून का नक्सलियों ने अगवा किया था। इसके बाद तीनों की मंगलवार 17 जून को हत्या कर दी गई। वहीं अपहरण किए गए 12 लोगों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया।

किनकी हुई हत्या : मारे गये युवकों में आत्मसमर्पित नक्सली कमांडर दिनेश मोडियम के रिश्तेदार हैं। जिनके नाम जूंगू मोडियम और सोमा मोडियम है.अनिल मंडावी का भाई सीआरपीएफ बस्तर बटालियन में है।

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग, सागर

क्रमांक 549 /स.अ./ आवंटन/ सागर/2025 दिनांक 19.06.2025

भवन भूखण्ड हस्तान्तरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मण्डल कॉलोनी डॉ हरिसिंह गौर नगर सागर में स्थित भवन क्रमांक एचआईजी 06 मण्डल द्वारा श्री जगत सिंह राजपूत पिता श्री साहब सिंह राजपूत को आवंटित किया गया था। जिसका विक्रय विलेख मण्डल द्वारा 20.05.2016 को निष्पादित कराया गया था। श्री जगत सिंह राजपूत पिता श्री साहब सिंह राजपूत द्वारा उक्त भवन विक्रय विलेख निष्पादित दिनांक 20.01.2025 के माध्यम से श्री अभिजीत सिंह राजपूत पिता श्री राजकुमार सिंह राजपूत को विक्रय किया गया। श्री अभिजीत सिंह राजपूत पिता श्री राजकुमार सिंह राजपूत द्वारा उक्त भवन स्वयं के नाम से नामान्तरित कराये जाने हेतु आवेदन / दस्तावेज/ शपथपत्र इस कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। यदि किसी व्यक्ति को संस्था या हित रखने वाले वैध व्यक्ति को हस्तान्तरण / नामान्तरण बावत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन होने से 15 दिवस के अन्दर लिखित में वैध आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात हस्तान्तरण / नामान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी का कोई दावा मान्य नही होगा।

सम्पत्ति अधिकारी

म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग, सागर

CHANGE OF NAME

I , ASHWINI MOTHER OF NAME MURALIDHAR ASHOK DESAI HOME ADDRESS AT POST - PERNOLI , VTC - AJARA , DIST - KOLHAPUR, STATE - MAHARASHTRA, PIN - 416505 HAVE CHANGED MY NAME FROM ASHWINI TO ASHWINI ASHOK DESAI. VIDE AFFIDAVIT DATED 19/06/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I , SIKHA MUL IS MOTHER OF ARMY NO - 15741864X RANK NK NAME SUMANTA MUL SERVING IN 36 RAPID SIG REGT (AREN) C/O 56 APO HOME ADDRESS AT NIMDANGI , NIMDANGI, HOOGHLY, WEST BENGAL, 712414 HAVE CHANGED MY NAME FROM SIKHA MUL TO SHIKHA MUL IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 19/06/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I , BISHUNDEI DEVI IS MOTHER OF ARMY NO - 18000153Y RANK HAV RAMESH KUMAR PARIT SERVING IN 56 ENGR REGT C/O 56 APO HOME ADDRESS AT - MAJHAWALIA , SIWAN, BISHWAR , BIHAR , 841239 HAVE CHANGED MY NAME FROM BISHUNDEI DEVI TO VISHUNDEI DEVI IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 19/06/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I , VENKTA LAKSHMI IS LEGALLY WEDDED SPOUSE OF ARMY NO - 14649379M RANK HAV NAME S CHARLES BABU MERIPE SERVING IN 838 FD WKSP COY 636 EME BN RAPID C/O 56 APO HOME ADDRESS VTC - KONITHIWADA , POST - KONITHIWADA , SUB DIST - VEERAVASARAM , DIST - WEST GODAVARI , STATE - ANDHRA PRADESH, PIN - 534240 HAVE CHANGED MY NAME FROM VENKTA LAKSHMI TO MERIPE VENKATALAKSHMI IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 19/06/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I ,KAVERI SPOUSE OF NAME JADHAV SACHIN ASHOK HOME ADDRESS AT - BASARGE BK , KOLHAPUR, MAHARASHTRA, PIN CODE - 416506 HAVE CHANGED MY NAME FROM KAVERI TO KAVERI SACHIN JADHAV . VIDE AFFIDAVIT DATED 21/03/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I , PARES CHANDRA MUL IS FATHER OF ARMY NO - 15741864X RANK NK NAME SUMANTA MUL SERVING IN 36 RAPID SIG REGT (AREN) C/O 56 APO HOME ADDRESS AT NIMDANGI , NIMDANGI, HOOGHLY, WEST BENGAL, 712414 HAVE CHANGED MY NAME FROM PARES CHANDRA MUL TO PARESH MUL IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 19/06/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I , ANIMA SANNIGRAHI MOTHER OF NO - 4581816H RANK L NK NAME MILAN SANNIGRAHI PRESENTLY RESIDING AT VILL - GOPALNAGAR , PO - HETYAGARA , TEH - KHATRA , DIST - BANKURA , STATE - WEST BENGAL, PIN - 722151 HAVE CHANGED MY NAME FROM ANIMA SANNIGRAHI (OLD NAME) TO ANIMA SHANNIGRAHI (NEW NAME) . VIDE AFFIDAVIT DATED 18/06 2025 BEFORE THE NOTARY KHATRA SUB DIVN KHATRA BANKURA WEST BENGAL.

CHANGE OF NAME

I , M KARTHIK IS SON OF ARMY NO - 14649379M RANK HAV NAME S CHARLES BABU MERIPE SERVING IN 838 FD WKSP COY 636 EME BN RAPID C/O 56 APO HOME ADDRESS VTC - KONITHIWADA , POST - KONITHIWADA , SUB DIST - VEERAVASARAM , DIST - WEST GODAVARI , STATE - ANDHRA PRADESH, PIN - 534240 HAVE CHANGED MY NAME FROM M KARTHIK TO MERIPE KARTHIK IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 19/06/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I , UJWALA SPOUSE OF NAME GORE RAVINDRA BHAUSAHEB HOME ADDRESS AT RAJURI , PO - BABHLESHWAR , DIST - AHMADNAGAR, STATE - MAHARASHTRA, PIN - 413737 HAVE CHANGED MY NAME FROM UJWALA TO UJWALA RAVINDRA GORE. VIDE AFFIDAVIT DATED 19/06/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I , LAXMI IS LEGALLY WEDDED SPOUSE OF NO - JC783887N RANK NB SUB NAME ANIL KUMAR SAHU SERVING IN THE MAHAR REGT CENTRE C/O 56 APO HOME ADDRESS AT HOUSE NO 79, SCHOOL PARA DHAMNI , NARIYARA , JANJGIR - CHAMPA , CHHATTISGARH , 495691 HAVE CHANGED MY NAME FROM LAXMI TO LAXMI SAHU IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 19/06/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

CHANGE OF NAME

I , UTTAM SANNIGRAHI FATHER OF NO - 4581816H RANK L NK NAME MILAN SANNIGRAHI PRESENTLY RESIDING AT VILL - GOPALNAGAR , PO - HETYAGARA , TEH - KHATRA , DIST - BANKURA , STATE - WEST BENGAL, PIN - 722151 HAVE CHANGED MY NAME FROM UTTAM SANNIGRAHI (OLD NAME) TO UTTAM KUMAR SHANNIGRAHI (NEW NAME) . VIDE AFFIDAVIT DATED 18/06 2025 BEFORE THE NOTARY KHATRA SUB DIVN KHATRA BANKURA WEST BENGAL.

CHANGE OF NAME

I , EMALIA IS MOTHER OF ARMY NO - 14649379M RANK HAV NAME S CHARLES BABU MERIPE SERVING IN 838 FD WKSP COY 636 EME BN RAPID C/O 56 APO HOME ADDRESS VTC - KONITHIWADA , POST - KONITHIWADA , SUB DIST - VEERAVASARAM , DIST - WEST GODAVARI , STATE - ANDHRA PRADESH, PIN - 534240 HAVE CHANGED MY NAME FROM EMALIA TO MERIPE YEMMELIYAMMA IN MY ALL DOCUMENTS VIDE AFFIDAVIT DATED 19/06/2025 EXECUTED BEFORE DISTRICT COURT SAGAR M.P

दूरभाष 07582-223308
फैक्स 07582-222070, 224543
ईमेल-admsagar41@gmail.com

न्यायालय अपर कलेक्टर, एवं विशेष विवाह अधिकारी, जिला-सागर म.प्र.

प्रकरण क्रमांक /स-149/2025-26

!! विज्ञप्ति !!

आवेदकगण श्री प्रभात जैन पिता श्री संजीव कुमार जैन उम्र- 27 वर्ष निवासी बडा जैन मंदिर के पास सुरखी थाना सुरखी तहसील व जिला सागर (म.प्र.) एवं बसंती गौड पुत्री श्री चंदन गौड उम्र-19 वर्ष निवासी ग्राम ज्वाप थाना गौरझामर तहसील देवरी जिला सागर (म.प्र.) द्वारा शपथ पत्र तथा उचित शीर्ष में 100 रूपये का चालान पेश कर मय साक्षियों सहित विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 05 के तहत विवाह पंजीयन कराये जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया है।

यदि किसी व्यक्ति को इस विवाह के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई शिकायत अथवा आपत्ति हो तो वह इस संबंध में दिनांक 14/07/2025 तक अपनी आपत्ति अपर कलेक्टर एवं जिला विवाह अधिकारी सागर के कार्यालय में कार्यालयीन समय प्रातः 10.00 बजे से 06.00 बजे तक दर्ज करा सकते है। नियत दिवस व्यतीत होने पर किसी प्रकार की शिकायत/आपत्ति स्वीकार योग्य नही होगी।

(रूपेश उपाध्याय)
अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी जिला- सागर म.प्र.

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मुझे धीरेन्द्र अहिरवार उर्फ धर्मेंद्र कुमार अहिरवार दोनों नामों से जाना पहचाना जाता है। उक्त दोनों नाम मेरे ही है। मेरा चालू नाम धर्मेंद्र कुमार अहिरवार है मेरे शैक्षिक दस्तावेजों में भी दर्ज है। एवं मेरे अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम धीरेन्द्र अहिरवार दर्ज है। जो एक ही व्यक्ति है। मुझे धीरेन्द्र अहिरवार उर्फ धर्मेंद्र कुमार अहिरवार वल्द जमना प्रसाद अहिरवार के नाम से जाना एवं पहचाना जायें इस वास्ते सूचना है।

सूचनार्थ - धीरेन्द्र अहिरवार उर्फ धर्मेन्द्र कुमार अहिरवार
निवास शंकरगढ वार्ड नं. 12
रजाखेड़ी मकरोनिया सागर
मो. 9303982509

न्यायालय विवाह अधिकारी एवं अपर कलेक्टर पन्ना जिला पन्ना म.प्र.

आदेशिका क्र./966/ 2025 पन्ना, दिनांक- 16.06.2025

सार्वजनिक उद्घोषणा

नोटिस दाता-बृजेन्द्र बर्मन उम्र 26 वर्ष पुत्र श्री नत्थू लाल
निवासी-आजाद मोहल्ला पवई, तहसील पवई जिला पन्ना म.प्र.

एवं

क्रांति कुशवाहा उम्र 20 वर्ष पुत्री श्री सालिक राम कुशवाहा
निवासी-ग्राम बांधीकला पोस्ट झरकुआ, तहसील अमानगंज जिला पन्ना म.प्र.

इस नोटिस के द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त नोटिस दाताओं ने विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 05 के तहत् परस्पर विशेष विवाह करने हेतु सूचना पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त विवाह के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने वैध प्रतिनिधि द्वारा लिखित रूप में इस उद्घोषणा जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है, समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर विधि के सम्यक अनुक्रम में सुनवाई नहीं की जाएगी।

उद्घोषणा के साथ द्वितीय अनुसूची ''आशयित विवाह की सूचना'' संलग्न कर भेजी जा रही है। उद्घोषणा का विधिवत् प्रकाशन कराया जाए एवं बाद तामील इस न्यायालय को भेजी जाए।

उद्घोषणा आज दिनांक **12 जून 2025** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी की गई।

संलग्न-आशयित विवाह की सूचना।
प्रकरण में सुनवाई तिथि-**14 जुलाई 2025**

(नीलाम्बर मिश्र)
अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी-पन्ना, जिला पन्ना (म.प्र.)

सार समाचार

कलेक्टर ने राजनैतिक दलों के साथ ईव्हीएम तथा व्हीव्हीपीएटी वेयर हाउस का किया निरीक्षण

टीकमगढ़, देशबन्धु। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईव्हीएम तथा व्हीव्हीपीएटी मशीनों के लिये बनाये गये वेयर हाउस का तिमाही निरीक्षण किया जाता है। इसी क्रम में आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक श्रोत्रिय ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईव्हीएम तथा व्हीव्हीपीएटी मशीनों के लिये कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईव्हीएम वेयर हाउस को खुलवाकर उसका निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

इस अवसर पर मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि जितेन्द्र घुवारा, मुलायम अहिरवार, गिरधारी लाल कबीर, दलुराम अहिरवार, वेयर प्रभारी एपीसी सुभाष मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा

स्वस्थ भारत के लिए योग दिवस पर सहभागिता कर विश्व रिकॉर्ड बनाएं : संभागायुक्त

टीकमगढ़, देशबन्धु। स्वस्थ भारत बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अपनी सहभागिता कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाएं। यह निर्देश संभाग कमिश्नर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने योग दिवस की समीक्षा बैठक में दिए। इस अवसर पर जॉइंट कमिश्नर विनय द्विवेदी, डॉ. धीरेंद्र मिश्रा, एस एस बघेल, आयुष विभाग से डॉक्टर आशीष पटेल सहित अन्य अधिकारी एवं संभाग के संभागीय अधिकारी मौजूद थे।

संभाग कमिश्नर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने 21 जून को 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अधिक से अधिक सहभागिता हो सके। इसके लिए संभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपने विभाग के अधिक से अधिक पंजीयन कराएं। जिसमें की सभी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक व्यक्ति शामिल होकर योग करें और स्वस्थ रहें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ भारत बनाने के लिए

हम सभी को योग अवश्य करना चाहिए, जिससे कि स्वस्थ भारत विकसित भारत बन सके। उन्होंने कहा कि पूरे उत्साह एवं मनोभाव से योग दिवस पर स्वेच्छा से योग में शामिल हो।

संभाग आयुक्त डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने कहा कि संभाग के सभी नगरीय निकायों के वार्ड, समस्त ग्राम पंचायत, सभी संस्थाओं, स्व-सेवी संस्थाओं, एनसीसी, एनएसएस, शिक्षा विभाग, विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, स्व सहायता समूह के सदस्य, छात्र-छात्राएं योग दिवस के अवसर पर शामिल हो। उन्होंने कहा कि सभी कार्यक्रमों में जन प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जावे एवं उनकी उपस्थिति सुनिश्चित कराई जावे।

संभाग कमिश्नर डॉ. रावत ने बताया कि भारत सरकार के द्वारा इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग की थीम दी गई है जिसको हमें सार्थक करना होगा। आयुष विभाग के डॉ. आशीष पटेल ने बताया कि भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश शासन के द्वारा जो निर्देश प्रदान किए गए हैं उसके अनुसार सभी अधिक से अधिक संख्या में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शामिल होकर फोटो आई स्वभाव की साइट पर अपलोड करना होगी। आयुक्त सागर संभाग की वीडियो कांफ्रेंसिंग मीटिंग में संभाग के सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, अध्यक्ष जिला योग समिति, रजिस्ट्रार डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, रजिस्ट्रार महाराजा छत्रसाल विश्वविद्यालय, छतरपुर, रजिस्ट्रार रानी अवंतिबाई विश्वविद्यालय, सागर, अधिष्ठाता, बुन्देलखण्ड चिकित्सा महाविद्यालय, सागर, आयुक्त नगर पालिक निगम सागर, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन सागर संभाग सागर, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण सागर संभाग सागर, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास, सागर संभाग सागर, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग सागर संभाग सागर, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवायें सागर संभाग सागर, जिले में संचालित योग समितियों के प्रभारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस, समस्त एनसीसी अधिकारी (एएनओ), मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (समस्त), उपसंचालक आयुष विभाग, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास (समस्त), जिला शिक्षा अधिकारी/जिला परियोजना समन्वयक (समस्त), जिला अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग (समस्त), जिला अधिकारी, आयुष विभाग (समस्त), नोडल/प्राचार्य उच्च शिक्षा, प्राचार्य शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, प्राचार्य शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत (समस्त), मुख्य नगर पालिका अधिकारी (समस्त), विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी/विकासखंड स्त्रोत समन्वयक (समस्त) सहित समस्त संभागीय अधिकारी मौजूद थे।

कार्यकर्ताओं की पसंद से होगा, जिला अध्यक्ष का चयन

कांग्रेस पर्यवेक्षक ने टटोली खरगापुर विधानसभा के कार्यकर्ताओं की नब्ज

बल्देवगढ, देशबन्धु। खरगापुर विधानसभा की बल्देवगढ़ नगर के मिलन वाटिका मैं संगठन स्रजन अभियान के अंतर्गत एआईसीसी पर्यवेक्षक के रूप में शिव आशीष पटनायक ने खरगापुर विधानसभा के समस्त कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोली

इस मौके पर चित्रकूट के पूर्व विधायक नीलांशु चतुर्वेदी टीकमगढ़ की प्रभारी रेखा चौधरी तथा खरगापुर विधानसभा क्षेत्र की विधायका चंदा सुरेंद्र सिंह गौर, जिला अध्यक्ष नवीन साहू ने कहा कि आला कमान के आदेश अनुसार पूरे मध्यप्रदेश में इस समय संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत प्रत्येक जिले में कार्यकर्ताओं की पसंद के अनुसार जिला अध्यक्ष का चयन राहुल गांधी की मनसा अनुसार किया जाना है । उन्होंने कहा कि टीकमगढ़ का जिला अध्यक्ष कार्यकर्ताओं की पसंद का ही बनेगा ।

इस बार किसी भी सिफारिश की गुंजाइश न के बराबर है, उन्होंने कहा कि यहां ना तो मैं किसी को पहचानता हूं ना ही किसी से मेरे कोई राजनीतिक संबंध है मैं सिर्फ पार्टी के आदेश अनुसार यहां पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करने आया हूं और आप लोगों की पसंद के अनुसार एक ऊर्जा वान जिला अध्यक्ष का चयन कर आला कमान को अपनी टीकमगढ़ जिले की स्थिति से अवगत कराने का काम करूंगा।

उद्बोधन के बाद ए आईसीसी पर्यवेक्षकों ने समस्त कार्यकर्ताओं से बंटू बन चर्चा कर राय शुमारी की। इस मौके पर दिग्विजय सिंह गौर बल्देवगढ़ जनता जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रविंद्र बुंदेला नगर परिषद पलेरा अध्यक्ष प्रतिनिधि विनोद वर्मा तथा तीनों ब्लाकों के ब्लॉक अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं का हुजूम मौजूद रहा।

उल्लेखनीय उपलब्धि मिला सम्मान

आईजी ने कोतवाली, देहात, जतारा व दिगौड़ा थानों को दिए आईएसओ प्रमाण पत्र

टीकमगढ़, देशबन्धु। पुलिस प्रशासन की कार्यकुशलता और जनसेवा की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए टीकमगढ़ जिले के चार थानों कोतवाली, देहात, जतारा एवं दिगौड़ा को आईएसओ प्रमाण पत्र प्राप्त हुए, जिन्हें पुलिस महानिरीक्षक सागर ज़ोन डॉ. हिमानी खन्ना द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम टीकमगढ़ में दिनांक 18 जून को पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई की उपस्थिति में संबंधित थाना प्रभारियों को प्रदान किए गए।

यह प्रतिष्ठित प्रमाणन पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के सतत निर्देशन, निगरानी एवं प्रयासों का प्रतिफल है। उनके मार्गदर्शन में इन थानों ने रिकॉर्ड संधारण, नागरिकों से संवाद, कार्य प्रणाली में पारदर्शिता एवं सेवा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करते हुए आईएसओ निरीक्षण मापदंडों को सफलतापूर्वक पूरा किया।

आईजी डॉ. हिमानी खन्ना ने प्रमाण पत्र वितरित करते हुए पुलिस अधीक्षक के प्रयासों की विशेष सराहना की तथा संबंधित थाना प्रभारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह प्रमाणन जिले की पुलिस व्यवस्था के प्रति नागरिकों के भरोसे को और प्रगाढ़ करेगा तथा अन्य थानों के लिए एक उदाहरण स्थापित करेगा।

इस अवसर पर जिला पुलिस के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं थाना प्रभारियों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बैठक में दिए निर्देश

पासपोर्ट वेरिफिकेशन का समय सीमा में पूरा करें

टीकमगढ़, देशबन्धु । पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम द्वारा आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला विशेष शाखा व जिले के समस्त थानों में पासपोर्ट वेरिफिकेशन का कार्य करने वाले कर्मचारियों ने भाग लिया। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा वेरिफिकेशन प्रक्रिया से जुड़े नियमों, आवश्यक सावधानियों तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पासपोर्ट वेरिफिकेशन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं समयबद्धता अत्यंत आवश्यक है। सभी संबंधित कर्मचारियों को वेरिफिकेशन प्रक्रिया को सरल, सुगम एवं निष्पक्ष बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। यह बैठक पासपोर्ट वेरिफिकेशन कार्य की गुणवत्ता को बेहतर बनाने तथा नागरिकों को त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भाजपा मंडल ने कई ग्रामों में हुआ बैठकों का आयोजन

दिगौड़ा, देशबन्धु। सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 बर्ष पूर्ण होने पर 'विकसित भारत का अमृतकाल' अभियान के अंतर्गत आज गुरुवार को भाजपा मण्डल द्वारा दिगौड़ा सहित कई ग्रामों में बैठक सभा आयोजित की गई। इन बैठकों में मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष रामपाल घोष, महेन्द्र सिंह, सत्येंद्र जैन, उपाध्यक्ष रूपेश श्रीवास्तव, हीरालाल केवट, प्रताप सिंह ठाकुर, चंद्रपाल सिंह, सौरभ पुरोहित, सुनील घोष, मोनू रैकवार, सुरेश रैकवार, घनेंद्र रैकवार, बूथ अध्यक्ष सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

भाजपा मंडल अध्यक्ष रामपाल घोष ने बताया कि केंद्र में भाजपा की सरकार को सफलतापूर्वक ११ साल पूर्ण होने पर दिगौड़ा मण्डल के प्रत्येक बूथ पर भाजपा व मोदी सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं की पूरी जानकारी अवगत कराई जा रही है। इस कार्यक्रम को संगठन द्वारा विधिवत रूप से चलाने का कार्यक्रम बनाया गया है जिसमें आज क्षेत्र भर में पार्टी के जिम्मेदार पदाधिकारियों द्वारा दिगौडा पूनोल धामना मऊ बछौडा बैदऊ खरोई गांव में गली मुहल्ले खिरका मजरा आदि में जा जा कर पार्टी के द्वारा किए गए विकास कार्य व जनहित में संचालित योजनाओं को गिनाकर मोदी सरकार की तारीफ की गई। वहीं इन बैठकों के दौरान लोगों व जनता के द्वारा भी मोदी सरकार की तारीफ सुनने को मिली।

ओरछा में हो मंत्रीमण्डल की बैठक

टीकमगढ़, देशबन्धु । 3 जून को मंत्रीमंडल की बैठक का आयोजन पचमढ़ी में जनजातीय राजा भभूत सिंह की स्मृति में आयोजित किया गया। इसके पूर्व मंत्रीमंडल की पहली बैठक जनजातीय वीरांगना रानी दुर्गावती की स्मृति में जबलपुर में आयोजित की गई थी और अहिल्याबाई होल्कर की स्मृति में इंदौर के राजवाड़ा एवं महेश्वर में भी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रीमंडल की बैठक आयोजित की गई है। इसीक्रम में अगली बैठक श्री राम राजा सरकार की नगरी ओरछा में आयोजित करने की मांग भी अब जोर पकड़ती जा रही है। भाजपा नेता विकास यादव ने प्रदेश शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री एवं निवाड़ी जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह से भोपाल में मुलाकात कर मंत्रिमंडल की अगली बैठक श्री राम राजा सरकार की नगरी विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल ओरछा में आयोजित कराने की मांग की है। श्री यादव ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध धार्मिक व पर्यटन नगरी ओरछा में श्रीराम राजा सरकार का मंदिर है जो देश का एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां प्रभु श्री राम को राजा के रूप में पूजा जाता है साथ ही दिन में चार बार सशस्त्र सलामी दी जाती है। इस मंदिर की विशेषता यह है कि माता जानकी के साथ विराजमान राजाराम प्रतिदिन अपना दरबार लगाते हैं और भक्तों की फरियाद सुनते हैं। प्रेस को यह तमाम जानकारी भाजपा नेता विकास यादव ने व्हाट्सएप के माध्यम से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है।

अधीक्षण यंत्री ने किया विद्युत स्टेशन का निरीक्षण, कहा

बिजली की समस्याओं के समाधान के लिए 8 टीम करेंगी काम

टीकमगढ़, देशबन्धु । बिजली कटौती की बढ़ती शिकायतों के मद्देनजर अधीक्षण यंत्री एसके त्रिपाठी ने आज विद्युत स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने समस्याओं के समाधान के लिए गठित टीमों की समीक्षा की। विभाग ने लोगों की बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए 8 टीमों का गठन किया है। तीन टीमें सुबह 8 से शाम 4 बजे तक काम करेंगी।

तीन टीमें शाम 4 से रात 12 बजे तक और दो टीमें रात 12 से सुबह 8 बजे तक तैनात रहेंगी। शहर इंचार्ज आरएन कटारे के अनुसार, अप्रैल और मई में ओवरलोडिंग के कारण समस्याएं बढ़ जाती हैं।

इस दौरान ट्रांसफार्मर और केबल जलने की घटनाएं अधिक होती हैं। पिछले एक सप्ताह से तापमान कम होने से शिकायतें भी घटी हैं। बारिश के मौसम की शुरुआत में आंधी-तूफान से होने वाली बिजली समस्याओं के लिए भी विभाग तैयार है। अधीक्षण यंत्री त्रिपाठी ने बताया कि इस महीने लगभग सात अधिकारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं। नई भर्तियां न होने से विभाग में स्टाफ की कमी हो रही है। इस समस्या का समाधान शासन स्तर पर किया जाना है। निरीक्षण के दौरान रामनारायण कटारे, कमलेश गंगेले, नितेश यादव, दीपक मिश्रा सहित विद्युत विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने की अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की कामना की

जन नायक दिवस के रूप में मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन

टीकमगढ़, देशबन्धु । प्रेस को व्हाट्सएप के माध्यम से प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कांग्रेस के प्रदेश स्तरीय नेता पवन घुवारा ने बताया कि राहुल गांधी का जन्मदिन जन नायक दिवस लोक तांत्रिक समावेशिता मूल्यों के सजग प्रहरी सामाजिक न्याय के पुरोधा संवैधानिक मूल्यों के लिए निरंतर संघर्षरत सत्य अहिंसा और करुणा की राजनीति के प्रतीक लोकसभा में नेता विपक्ष की उपस्थिति ही संविधान का रक्षा कवच है।

श्री घुवारा ने कहा कि जन नायक सूर्य सा तेज बुद्ध सी करूणा, गांधी सा समावेश, नेहरू सा निर्माण, पटेल सा लक्ष्य, साधना इंदिरा सा संकल्प राजीव सी दृष्टि करोड़ों भारतीयों के आशीष की वृष्टि भारतीय राजनीति की नव चेतना, सामाजिक आर्थिक न्याय जातिगत जनगणना के प्रणेता, साढ़े 3 हज़ार किलोमीटर की भारत

जोड़ो यात्रा से सौहाद्र की परंपरा को पुनर्जीवित करने वाले करुणा मय व्यक्तित्व के धनी है। श्री घुवारा ने कहा कि राजनीति में सक्रिय होते ही राहुल गांधी ने लगातार अपमान, निंदा, मजाक और बदनाम करने वाले लाखों शब्दों का अकेले सामना किया, भरी संसद में उनको अपमानित किया गया, मीडिया, सोशल मीडिया, अख़बार, टीवी के ऐंकर खरीदकर दिनरात उनका उपहास बनाया गया, हर तरफ से उन्हें कमजोर साबित करने की कोशिश की, अरबों रूपए उड़ाए गए उनकी छवि ख़राब करने और उनका हौंसला तोड़ने, लेकिन राहुल जी ने कमाल का साहस दिखाया, सारे आरोप गलत साबित किये, सारी बदनामी पलटकर रख दी, दुनिया भर में अपने ज्ञान, अपनी समझ, दूरदर्शिता और वैश्विक नज़रिए का लोहा मनवाया।

राहुल गांधी के जन्मदिवस पर उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूँ और परमात्मा से विनती है, मा.राहुल गांधी जी को देश की बागडोर देकर, भारत को फिर से अमन, शांति, सामूहिक प्रगति, सांप्रदायिक एकता, सद्भाव और मोहब्बत का भारत बनाने का आशीर्वाद दीजिए, हम उनके साथ मिलकर सबको सबका देश बनाने के लिए जीभर मेहनत करेंगे। संकल्प की नई राजनीति की शुरुआत हो शतायु हों। मैं ईश्वर से आपके अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु व यशस्वी जीवन की कामना करता हूँ।

अवैध मादक पदार्थ के आरोप में महिला गिरफ्तार

भैरुंदा, देशबन्धु। अवैध मादक पदार्थों के परिवहन और विक्रय के संबंध में चलाए जा रहे अभियान को देखते हुए सीहोर पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला द्वारा मादक पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ कठोर कार्यवाही के निर्देश दिए गए थे। निर्देशों के पालन में 18 जून 2025 को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी द्वारा अपने घर से अवैध मादक पदार्थ गांजा को बेचा जा रहा है।

सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुनीता रावत व एसडीओपी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भैरूंदा निरीक्षक घनश्याम दांगी द्वारा एक टीम गठित की गई थी। टीम द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर अवैध मादक पदार्थ गांजा बेचने वाली कान्तीबाई पत्नी मनोहर कौशल (55) निवासी सर्वहारा कालोनी को घेराबंदी कर पकड़ा जिसके कब्जे से 1280 ग्राम गांजा कीमती करीबन 25 हजार रुपये जप्त किया। आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। जहां से आरोपियों को जेल दाखिल कराया गया।

एसडीएम ने 102 कॉलोनाइजरों को भेजे नोटिस

बिना सड़क-बिजली-पानी के प्लॉट बेचने वालों को वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले में अवैध कॉलोनी निर्माण के खिलाफ प्रशासन ने गुरुवार को कार्रवाई की है। कलेक्टर विवेक श्रोतिय के निर्देश पर एसडीएम लोकेंद्र सिंह सरल ने 102 अवैध कॉलोनाइजरों को नोटिस जारी किए हैं।

दरअसल, इन कॉलोनियों में नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। इससे शासन को राजस्व का नुकसान हो रहा है। खरीदारों को महंगे दामों पर प्लॉट बेचे जा रहे हैं। लेकिन सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। नोटिस पाने वालों में प्रमुख नाम- संजय रावत (अनंतपुरा कॉलोनी), राजेंद्र मिश्रा (डुमरऊ मोटा), नरेंद्र सिंह परिहार (डुमरऊ मोटा), कान्हा प्रॉपर्टीज के अरविंद राय और भाजपा महिला मोर्चा की पूर्व जिलाध्यक्ष डोली पवन जैन का है।

अन्य प्रमुख नामों में आम्रपाली कंस्ट्रक्शन के आशीष जैन, मीरा जैन, प्रभा जैन (मामौन), फरीद खान, आरिफ खान (मामौन), बांके बिहारी हर्षवर्धन यादव (मामौन) और अम्बिका प्रसाद खरे (मामौन) शामिल हैं। प्रशासन की ओर से सभी कॉलोनाइजरों को जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। एसडीएम ने बताया कि दोषी कॉलोनाइजरों के खिलाफ नियमों का उल्लंघन करने पर मप्र पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 61 ग, 61घ एवं मप्र ग्राम पंचायत (कालोनियों का विकास) नियम 2014 के तहत वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सार समाचार

गुना-आरोन रोड का मामला

मोटरसाइकिल में बोलेरो वाहन ने मारी टक्कर, तीन छात्र घायल

गुना, देशबन्धु। गुना जिले में गुरुवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में बीएससी की परीक्षा देने जा रहे तीन छात्र घायल हो गए। हादसा गुना-आरोन रोड पर सुबह करीब 10 बजे दुहाई मंदिर के पास हुआ। तीनों छात्र शिवपुरी जिले के निवासी बताए जा रहे हैं और विदिशा जिले के सिरोंज में अपनी द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा देने जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, राजकुमार पाल निवासी अटलपुर, अनिल पाल निवासी बामौरकलां और बलराम पाल निवासी अटलपुर एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे, तभी एक बोलेरो वाहन क्रमांक एमपी 08 जेड बी 9982 ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद घायल छात्र काफी देर तक सड़क पर भी पड़े रहे। इसके बाद ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर आई और तीनों घायलों को इलाज के लिए गुना जिला अस्पताल में भर्ती कराया। छात्रों ने बताया कि वे बीएससी द्वितीय सेमेस्टर का पेपर देने जा रहे थे। दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन की गति काफी तेज थी, जिसने जोरदार टक्कर मारी जिससे उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला। घायल होने के बावजूद छात्र पेपर देने से वंचित होने की वजह से चिंतित नजर आए।

संजय स्टेडियम के पास बैल्डिंग की दुकान में सेंधमारी

गुना, देशबन्धु। शहर में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। संजय स्टेडियम के आसपास के इलाकों में लगातार बढ़ रही चोरियों से दुकानदारों में दहशत का माहौल है। बीती रात अज्ञात बदमाशों ने एक बैल्डिंग की दुकान को निशाना बनाया और लाखों के सामान सहित नगदी पर हाथ साफ कर दिया। मोहम्मद रियाज उर्फ राजा की शिकायत के अनुसार, 18-19 जून की दरमियानी रात करीब 1 से 2 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने उनकी दुकान का ताला तोड़ दिया। दुकान के भीतर से 9,050 रुपये नगद, कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज और कई महंगी मशीनें चोरी कर ली गईं। दुकानदार मोहम्मद रियाज जब सुबह अपनी दुकान खोलने पहुंचे, तो उन्हें ताला टूटा हुआ मिला और चोरी का पता चला। बताया जा रहा है कि एक बदमाश सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है, जिसके आधार पर पुलिस से जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की गई है। दुकानदार के मुताबिक, इस घटना से पहले भी इसी क्षेत्र की 4-5 दुकानों में चोरी की वारदातें हो चुकी हैं, जिससे आसपास के दुकानदारों में डर का माहौल बना हुआ है। कैंट थाने में इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई है।

फरार आरोपियों पर बड़ी कार्रवाई, 157 वारंट तामील

दमोह देशबन्धु। अपराध नियंत्रित पुलिसिंग हेतु कैलाश मकवाना पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर जिला दमोह में दिनांक 19/06/25 की मध्य रात्रि में श्रुतकीर्ति सोमवंशी पुलिस अधीक्षक दमोह के मार्गदर्शन तथा श्री संदीप मिश्रा, सुजीत सिंह भदौरिया हटा, दमोह, पथरिया, तेंदूखेड़ा, समस्त थाना प्रभारियों के नेतृत्व में कुल 27 पुलिस टीम गठित कर पूरे ज़िले में कॉम्बिंग गस्त की गई।

गस्त के पूर्व रात्रि 11:00 बजे पुलिस अधीक्षक द्वारा नगर का भ्रमण कर घंटाघर पर दमोह अनुभाग हेतु गठित टीमों का निरीक्षण किया गया एवं गस्त हेतु निर्देश दिए गए जिनको वायरलेस के माध्यम से जिले के अन्य अधिकारियों एवं टीमों को प्रेषित किया गया। थाना पथरिया अंतर्गत 05 वर्ष या उससे अधिक वर्ष पुराने मामलो के 06 वारंट तामील किये गये। गस्त के दौरान टीमों ने कुल 157 वारंट तामील किए। जिसमे 31 आबकारी, 02 आर्म्स एक्ट, 03 एनडीपीएस एवं 85 स्थाई वारंटी भी शामिल है। कॉम्बिंग गश्त के दौरान थाना कोतवाली अंतर्गत 02 व्यक्ति 15 ग्राम सफेद पाउडर लिये पाये जाने पर गिरफ्तार किये गये।

वर्षो से फरार 8 वारंटी गिरफ्तार

दमोह/तेंदूखेड़ा देशबन्धु। पुलिस ने पुलिस अधीक्षक श्रुतिकृति सोमवंशी के निर्देश पर बुधवार की रात्रि में अपराधियों को पकड़ने सघन अभियान चलाकर आठ फरार वारंटियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई। जिन्हें न्यायालय में पेश किया गया जहां से जमानत नामांकन पर आरोपियों को जेल भेज दिया गया। धरम पिता पहलाद लोधी उम्र 35 वर्ष,

देवी पिता लक्ष्मण लोधी उम्र 23, नर्मदा पिता डोमन लोधी उम्र 34, देवी पिता देवराज लोधी उम्र 24, राजेंद्र पिता मालगुजार लोधी उम्र 28, नन्हे पिता होरीला लोधी उम्र 30 निवासी बम्होरी, मुकेश पिता बाबूलाल यादव 40 धन गौर, लक्ष्मण पिता कांधीलाल झारिया, देवरी सरिया पाटन जबलपुर उक्त आरोपियों को पकड़ने में थाना प्रभारी नीतेश जैन के साथ ब्रिजेश तिवारी, रूपेश तिवारी, नीरज नामदेव विशेष योगदान रहा।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

वर्ष 2022 में किल्लाई नाका पर हुई हत्या के मामले न्यायालय का निर्णय। दिनांक 04/12/2022 को थाना कोतवाली को सूचना प्राप्त हुई कि शहर के किल्लाई नाका पर जयसिंह एवं प्रफुल्ल बर्मन के बीच पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हो गया है जिस पर से प्रफुल्ल बर्मन ने जयसिंह को चाकुओं के बार से घायल कर फरार हो गया है। मौके पर पहुंच कर घायल को ज़िला अस्पताल में भर्ती कराया गया तथा थाना कोतवाली में अप. क्र. 916/22 दर्ज कर विवेचना में लिया गया। इलाजरत जयसिंह की मृत्यु हो जाने से मामले में धारा 302 का इज़ाफा किया गया था। मामले की तत्कालीन विवेचक उपुअ भावना दांगी ने समस्त साक्ष्यों और तथ्यों पर विवेचना कर चालान न्यायालय में पेश किया था। जिस पर सत्र न्यायाधीश उदय सिंह मरावी की कोर्ट ने आरोपी प्रफुल्ल बर्मन पिता सुखदेव बर्मन निवासी पुराना थाना दमोह को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास एवं 2000/- के जुर्माने से दंडित किया।

जिले की शिक्षा व्यवस्था बदहाल

स्कूल की साफ सफाई ताला खोलने की जवाबदारी शिक्षकों की

पन्ना, देशबन्धु। जिले की शासकीय स्कूलों की शैक्षणिक व्यवस्था बदहाल है 15 जून 2025 से विद्यालय खुलने के बावजूद चपरासी ना होने के कारण स्वयं विद्यालय के शिक्षकों को साफ सफाई से लेकर सारी व्यवस्थाएं कर रहे है ।

यह हाल जिले के अधिकांश स्कूलों का है इसी प्रकार का मामला हायर सेकेंडरी स्कूल बराछ का सामने आया जहां पर तीन चपरासी पदस्थ होने के बावजूद दो चपरासी अन्य स्थान पर जिला मुख्यालय पन्ना में संलग्न है एक चपरासी की जिम्मेदारी में हायर सेकेंडरी स्कूल की सफाई व्यवस्था है जो वर्तमान में छुट्टी पर है ऐसे में गंदगी में बच्चे कैसे पढ़ेंगे हायर सेकेंडरी स्कूल जहां पर पांच सो से अधिक बच्चे अध्ययन करते हैं और करीब पंद्रह अधिक क्लासरूम है और एक बड़ा परिसर है

इतने बड़े परिसर की साफ सफाई प्रभावित हो रहीं है शासन द्वारा जोर-सोर से स्कूल चलो अभियान की शुरुआत की विद्यालयों का साफ सफाई पुताई आदि विद्यालय प्रारंभ होने की पहले ही पूर्ण करने के निर्देश दिए। परंतु जब सफाई कर्मचारी की छुट्टी पर है और दो जिला मुख्यालय में संलग्न है ऐसे में कैसे स्कूल चलाओ अभियान सफ़ल होगा की सिफ कागजों में रहेगा। यह स्थिति अधिकांश शासकीय स्कूलों की है क्षेत्र लिए तो 15 जून से सत्र प्रारंभ हो गया है परंतु अधिकांश विद्यालयों के ताले ही नहीं खुले है। केवल प्रचार प्रसार और कागजो तक सीमित है। स्कूल चलो अभियान इसी ओर शासन प्रशासन को ध्यान देना होगा सिर्फ स्थानांतरण में मशगूल रहने से अभियान सफल नहीं होगा।

संभागायुक्त डॉ रावत पहुँचे ग्राम आनू तालाब निर्माण कार्य का लिया जायजा

दमोह देशबन्धु। संभागायुक्त सागर संभाग डॉक्टर वीरेंद्र सिंह रावत आज जिले के ग्राम आनु पहुंचे। उन्होंने यहां पर खेत तालाब निर्माण कार्य का अवलोकन किया और हितग्राही बालकिशन पटेल से चर्चा की। उन्होंने किसान से खेत तालाब के संबंध में जानकारी ली और इसके फायदे के बारे में जाना। इस अवसर पर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर विशेष रूप से मौजूद रहे।

संभागायुक्त डॉ रावत ने जिले में खेत तालाब योजना के तहत बन रहे खेत तालाब का निरीक्षण करने के साथ ही काम में प्रगति लाने के निर्देश दिए और कार्य तेजी से पूर्ण करने के लिए कहा। इस दौरान डॉ रावत ने खकरी निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया। इसी ग्राम में किसान दुर्गा पटेल के खेत पर पहुंचकर संभागायुक्त ने कपिलधारा कूप का अवलोकन किया और किसान

दुर्गा पटेल से चर्चा की।

यहां पर कूप के समीप ही रिचार्ज पिट भी बनाया गया हैं, के संबंध में किसान से चर्चा की और उसके खेत में उत्पादित हो रहे सब्जियों के बारे में जाना। किसान दुर्गा ने बताया कि उसके खेत में पर्याप्त मात्रा में सब्जी का उत्पादन हो रहा है और उसके कूप में 12 माह पानी रहता है शासन की योजना के तहत प्राप्त से कूप से किसान दुर्गा पटेल ने खुशी जाहिर की बताया कि वह पूरे साल सब्जी-भाजी की खेती कर रहे हैं। इस अवसर पर एसडीएम आर एल बागरी, सीईओ जनपद पंचायत हलधर मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संभागायुक्त ने की 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा

पन्ना, देशबन्धु। स्वस्थ्य भारत बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार, 21 जून को अपनी सहभागिता कर वल्ड रिकॉर्ड बनाएं। उक्त निर्देश संभाग कमिश्नर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत ने आज योग दिवस की संभागीय समीक्षा बैठक में दिए। इस अवसर पर उन्होंने 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अधिकाधिक सहभागिता के उद्देश्य से संभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपने विभाग के लोकसेवकों सहित लक्षित समूह के अधिक से अधिक पंजीयन कराएं, जिससे हर नागरिक योग को जीवनशैली में शामिल करें और स्वस्थ्य रहें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ्य भारत बनाने के लिए हम सभी को योग अवश्य करना चाहिए, जिससे कि स्वस्थ्य एवं विकसित भारत बन सके। उन्होंने कहा कि पूरे उत्साह एवं मनोभाव से योग दिवस पर स्वेच्छा से योग में शामिल हों।

संभाग कमिश्नर डॉ. रावत ने कहा कि संभाग के सभी नगरीय निकायों के वार्ड, समस्त ग्राम

पंचायत, सभी संस्थाओं, स्वयंसेवी संस्थाओं, एनसीसी, एनएसएस, शिक्षा विभाग, महाविद्यालय, स्वसहायता समूह के सदस्य, छात्र-छात्राएं योग दिवस के कार्यक्रम में सहभागिता करें। सभी कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए एवं उनकी उपस्थिति भी सुनिश्चित कराई जाए।

संभागायुक्त ने बताया कि भारत सरकार के द्वारा इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य के लिए योग की थीम दी गई है, जिसको हमें सार्थक करना होगा। आयुष विभाग के डॉ. आशीष पटेल ने बताया कि भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन के द्वारा जो निर्देश प्रदान किए गए हैं, उसके अनुसार सभी अधिक से अधिक संख्या में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शामिल होकर फोटो आयुष विभाग की साइट पर अपलोड करना होगी। आयुक्त सागर संभाग की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग मीटिंग में जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी एवं जिले के अन्य अधिकारीगण भी वर्चुअल शामिल हुए।

माधवराव सप्रे की 154वीं जयंती समारोह पूर्वक मनाई

दमोह देशबन्धु। माधवराव सप्रे शासकीय महाविद्यालय पथरिया, जिला-दमोह में माधवराव सप्रे की 154वी जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। महाविद्यालय के सभाकक्ष में कार्यक्रम का प्रारंभ द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। महाविद्यालय के समस्त स्टॉफद्वारा सप्रे के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 विनय कुमार वर्मा द्वारा इन्हें पथरिया नगर का गौरव बताते हुये कहा कि उन्होनें देष और दुनिया में पथरिया की कीर्ति पहुँचायी है। महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री शेखताज हसन, डॉ0 खुदैजा परवीन अंसारी, श्री चिन्मय सेन द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किये गये। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 हरीओम सोनी तथा आभार श्री सत्यनारायण लड़िया, क्रीडा अधिकारी द्वारा व्यक्त किया गया।

सिकल सेल दिवस पर विशेष जाँच शिविर संपन्न

दमोह देशबन्धु। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. रीता चटर्जी ने बताया दमोह जिले के जिला अस्पताल के डीईआईसी बाल संजीवनी भवन में विश्व सिकल सेल दिवस अंतर्गत् एक विशेष जांच शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में 13 बच्चों की जांच की गई, जिसमें अंजली अहिरवाल नामक एक वर्षीय बच्ची भी शामिल थी, जो सिकल सेल रोग से ग्रसित पाई गई। विकासखण्ड तेंदूखेड़ा के सलैया ग्राम की अंजली पिता छोटेलाल अहिरवाल को जिला अस्पताल का कार्ड बनाकर दिया गया, जिससे उसे समय-समय पर आवश्यकतानुसार नि:शुल्क रक्त मिल सके।

राहुल गांधी का मनाया जन्मदिन

दमोह देशबन्धु। अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा के प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी के जन्मदिवस पर जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार आई.टी.सेल. ने स्थानीय दीनदयाल पार्क पहुंचकर वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण करते हुए अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पर्यवेक्षक जिला प्रभारी डां सासद काले ने कहा कि उन्हे आज बहुत ही प्रसन्नता हो रही है कि वह बुदेलखंड का वह जिला जो हमारा हिन्दुस्तान का केन्द्र है वहाँ वह अपने साथियो सहित अपने युवा नेता का जन्मदिवस मना रहे है जिला कांग्रेस प्रभारी हर्ष यादव, महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष विभा पटेल, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रतनचंद जैन, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मनु मिश्रा, मानक पटेल, संजय चौरसिया, राजेश तिवारी, तिलक सींग, परम यादव, नितिन मिश्रा, विक्रम ठाकुर, आई टी. सेल अध्यक्ष खिल्लु ठाकुर, वीरेन्द्र राजपूत, शमीम कुरैशी, धरमवीर राय, शैलेन्द्र ठाकुर ने भी पौधे रोपते हुए पारंपरिक जन्मदिवस का गीत गाकर अपने नेता की दीर्घायु की कामना की।

पुलिस ने भानपुरा में कंजरों के डेरों पर दी दबिश

भारी मात्रा में अवैध कच्ची शराब जब्त, शराब बनाने वाला लहान नष्ट

अवैध शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री, जैसे भट्टियां और हौद भी नष्ट किए गए

गुना, देशबन्धु। एसपी सोनी के निर्देश पर गुना पुलिस ने आबकारी विभाग के साथ मिलकर चांचौड़ा थाना क्षेत्र के भानपुरा गांव में अवैध शराब बनाने के एक बड़े अड्डे का भंडाफोड़ किया है। बुधवार सुबह की गई इस कार्रवाई में लगभग 9.50 लाख की 9 हजार 500 लीटर शराब बनाने का लहान नष्ट किया गया और 19 हजार की 95 लीटर अवैध कच्ची शराब जब्त की गई

है। पुलिस के मुताबिक ग्राम भानपुरा में कंजर डेरों पर अवैध शराब बनाने की सूचना मिलने के बाद एसपी सोनी ने तत्काल कार्रवाई के लिए पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीमें भेजीं। इस अभियान का मार्गदर्शन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर ने किया और इसका नेतृत्व एसडीओपी चांचौड़ा महेंद्र गौतम ने किया। पुलिस टीम में चांचौड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार साहू, बीनागंज चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक अजयप्रताप सिंह, सानई चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक नीरज लोधी शामिल थे, साथ ही उनके थाना/चौकी, कुंभराज और पुलिस लाइन से भी बल मौजूद था। आबकारी विभाग की टीम में आबकारी उपनिरीक्षक एल.आर. करोसिया और राधाकिशन अटारिया अपने बल के साथ शामिल थे। भानपुरा गांव में कंजर डेरों पर दबिश की भनक लगते ही अवैध शराब कारोबारी मौके से भाग निकले। हालांकि, टीमों को डेरों के आसपास बड़े-बड़े ड्रमों और टंकियों में करीब 9 हजार 500 लीटर लहान मिला, जिसे शराब बनाने के लिए तैयार किया गया था। इसके अलावा, हाथ भट्टी पर बनी 95 लीटर अवैध कच्ची शराब भी बरामद हुई। मौके पर बरामद लहान को कानूनी प्रक्रिया के तहत नष्ट कर दिया गया। अवैध शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री, जैसे भट्टियां और हौद भी नष्ट किए गए हैं।

चांचौड़ा में 2 गांजा सप्लायर गिरफ्तार, मादक पदार्थ और बाइक जब्त

गुना, देशबन्धु। गुना में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री और तस्करी में लिप्त माफियाओं पर कार्रवाई के लिए 12 जून, 2025 से एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत, पुलिस नशे के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुना के मार्गदर्शन और प्रभारी एसडीओपी चांचौड़ा के पर्यवेक्षण में, चांचौड़ा थाना प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार साहू और उनकी टीम ने बीते दिन नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। पुलिस की एक टीम विभिन्न मामलों में फरार आरोपियों की तलाश में बीनागंज इलाके का दौरा कर रही थी। इसी दौरान गोकुल नगर मोड़ के पास एक हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आते दिखे। पुलिस वाहन को देखते ही वे अचानक मोटरसाइकिल घुमाकर भागने लगे। पुलिस को उन पर संदेह हुआ और पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने अपनी पहचान राहुल (21) और रवि (19), दोनों निवासी बड़ा आमल्या, थाना राघौगढ़ के रूप में बताई। पुलिस ने उनकी तलाशी ली तो एक पॉलिथीन में 511 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत ?8,000 बताई गई है।

तस्करी में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल की कीमत ?30,000 है, जिससे कुल 38,000 का माल जब्त किया गया। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गांजे के संबंध में पूछने पर उन्होंने बताया कि वे यह गांजा बड़ा आमल्या के रवि प्रजापति से खरीदकर बेचने के लिए लाए थे। इसके बाद तीनों आरोपियों के खिलाफ चांचौड़ा थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

26 पंजीयन केंद्रों में होगा पंजीयन

दमोह देशबन्धु। वर्ष 2025 विपणन वर्ष 2025-26 में प्राईस स्पोर्ट स्कीम योजना अंतर्गत ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन 05 जुलाई 2025 तक ग्रीष्मकालीन फसल मूंग एवं उड़द के पंजीयन किये जायेंगे। इस सबंध में उप संचालक कृषि जेएल प्रजापति ने बताया जिले में ग्रीष्मकालीन मूंग एवं उड़द पंजीयन हेतु जिला उपार्जन समिति द्वारा लिये गये निर्णय अनुसार 26 पंजीयन केन्द्रों का निर्धारण किया गया हैं। पंजीयन केन्द्रों में तहसील दमोह में सेवा सहकारी समिति पिपरिया, अर्थखेड़ा, अभाना, बिजौरी एवं बालाकोट केन्द्रों का निर्धारण किया गया हैं। इसी प्रकार तहसील जबेरा में सेवा सहकारी समिति जबेरा, बिजौरा, रौंड़ एवं सिंग्रामपुर केन्द्रों का निर्धारण किया गया हैं। इसी प्रकार तहसील तेन्दूखेड़ा में सेवा सहकारी समिति सांगा, झलोन, तेजगढ़ एवं तारादेही केन्द्रों का निर्धारण किया गया हैं। इसी प्रकार तहसील पथरिया में सेवा सहकारी समिति बोतराई, जेरठ पथरिया, खैजराकलां एवं पिपरिया चंपत केन्द्रों का निर्धारण किया गया हैं। इसी प्रकार तहसील हटा में सेवा सहाकरी समिति हटा, मड़ियादो, एवं हिनौताकलां केन्द्रों का निर्धारण किया गया हैं। इसी प्रकार तहसील पटेरा में सेवा सहकारी समिति पटेरा, पटेरिया एवं कुम्हारी केन्द्रों का निर्धारण किया गया हैं। तहसील बटियागढ़ में सेवा सहकारी समिति बटियागढ़ एवं खड़ेरी केन्द्रों का निर्धारण किया गया हैं। उन्होंने बताया शासन द्वारा कृषकों की सुविधा की दृष्टि से समितियों के अतिरिक्त केन्द्रों पर भी पंजीयन की व्यवस्था की गई है। साथ ही पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था अंतर्गत कृषक स्वयं के मोबाईल अथवा कम्प्यूटर से पंजीयन हेतु निर्धारित लिंक पर जाकर एवं स्वयं के मोबाईल अथवा कम्प्यूटर से पंजीयन हेतु निर्धारित लिंक पर जाकर, पूर्व वर्षो की भांति सहकारी समितियों द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर पंजीयन किया जा सकेगा।

देशबन्धु

पुलिस ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को वाटर कैनन से खदेड़ा

डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि में दीक्षांत समारोह से पहले बवाल, एनएसयूआई का प्रदर्शन, कुलपति का पुतला फूंका

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में 20 जून को होने वाले दीक्षांत समारोह से ठीक एक दिन पहले नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर सिविल लाइन स्थित कुलपति भवन के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कुलपति डॉ. नीलिमा गुप्ता का पुतला दहन किया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिये पुलिस को वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा, जिससे परिसर में हड़कंप मच गया। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अक्षत कोठारी के नेतृत्व में सैकड़ों छात्र कुलपति भवन के सामने एकत्र हुये और धरने पर बैठ गये। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि विवि प्रशासन छात्रों की समस्याओं के प्रति उदासीन है और कई गंभीर मुद्दों पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही। प्रदर्शन का मुख्य कारण हाल ही में विवि परिसर में हुआ एक दर्दनाक सड़क हादसा है, जिसमें एक छात्र की मौत हो गई थी और तीन अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हो गये थे। एनएसयूआई का आरोप है कि इस हादसे के बावजूद विवि प्रशासन ने न तो मृत छात्र के परिवार को कोई सहायता प्रदान की और न ही घायल छात्रों की मदद के लिये कोई कदम उठाया। इसके अलावा एनएसयूआई ने विवि में नियुक्तियों में कथित घोटालों की जांच की मांग उठाई। अक्षत कोठारी ने कहा विवि में भर्ती प्रक्रियाओं में बड़े पैमाने पर अनियमिततायें हुई हैं, लेकिन प्रशासन इसकी जांच से बच रहा है। हम यह भी नहीं चाहते कि विवि को आरएसएस की फैक्ट्री बनाया जाये। प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई ने विवि प्रशासन के सामने 8 प्रमुख मांगें रखीं। जिनमें सड़क हादसे में मृत छात्र के परिवार को 50 लाख रुपये और घायल छात्रों को 5 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाये। विवि में भर्ती प्रक्रियाओं में हुये कथित घोटालों की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों पर सख्त कार्यवाही की जाये, परिसर में चल रहे अनावश्यक निर्माण कार्यों को तत्काल रोका जाये और सभी निर्माण की गुणवत्ता की जांच हो। दोषी पाये जाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही हो। विवि के भवनों में साफ सफाई और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। पुराने वाटर कूलरों को हटाकर नये लगाये जायें। विवि के बड़े क्षेत्रफल को देखते हुये छात्रों के लिये बस और अन्य वाहनों की व्यवस्था की जाये, ताकि वे समय पर कक्षाओं में पहुंच सकें। स्नातक पाठ्यक्रमों में सीटों की संख्या बढ़ाई जाये और स्थानीय छात्रों को 75 प्रतिशत आरक्षण दिया जाये। लंबे समय से लंबित छात्र संघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराये जायें। छात्रावासों में भोजन की गुणवत्ता में सुधार किया जाये और छात्रों को पौष्टिक व गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाये सहित अन्य मांगे शामिल थी। प्रदर्शन के दौरान स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई, जब एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने कुलपति का पुतला फूंका और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी तेज कर दी। हालात को काबू में करने के लिये पुलिस को बुलाया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिये वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, जिससे छात्रों में आक्रोश और बढ़ गया। कई छात्रों ने पुलिस की इस कार्यवाही की निंदा की और इसे छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश करार दिया। आज डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि में होने वाला दीक्षांत समारोह को एनएसयूआई के इस उग्र प्रदर्शन ने समारोह के माहौल को पहले ही गर्म कर दिया है। विवि प्रशासन और स्थानीय पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है, ताकि समारोह के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अक्षत कोठारी ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं हुईं, तो आंदोलन को और तेज किया जायेगा। उन्होंने कहा हम छात्रों के हितों के लिये लड़ रहे हैं। प्रशासन को हमारी मांगों को गंभीरता से लेना होगा, वरना हम दीक्षांत समारोह को बाधित करने से भी पीछे नहीं हटेंगे। पुतला दहन कार्यक्रम में सेवादल अध्यक्ष सिंटू कटारे, अक्षय दुबे, शाहरुख खान रिंकू, अंशुल शर्मा, सागर साहू, अम्बर खत्री, आलोक, सोनी, सौरभ खटीक आदि मौजूद रहे।

डॉ. हरीसिंह गौर विवि प्रशासन दीक्षांत समारोह के नाम पर मुनाफा कमा रहा : गौर यूथ फोरम

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि प्रशासन दीक्षांत समारोह के नाम पर मुनाफा कमा रहा है। विवि के विद्यार्थियों से दीक्षांत समारोह में शामिल होने पर एक हजार रुपये फीस ली जा रही है और उसके एवज में एक हलकी सी पगड़ी टोपी और स्टाल दुपट्टा जैसा दिया जा रहा है, जिसकी कीमत महज 100-200 रुपये होगी। कुछ वर्षों पूर्व हुये आयोजनों में या पूर्व कुलपति आरपी तिवारी के समय आयोजित समारोहों में इसके साथ में कुर्ता पायजामा भी प्रदान किया जाता रहा है। अचानक से यह बंद कर दिया गया और विद्यार्थियों से लिया गया इसका पैसा बचाकर डकार गये। गौर यूथ फोरम की विवि इकाई अध्यक्ष हिमांशु तिवारी ने कहा कि प्रशासन की यह प्रवत्ति समझ से परे है हमारी मांग है कि आयोजन समारोह में दूर-दूर से आ रहे विद्यार्थी और उनके परिजन इस दौरान भटकते ही रहते हैं उनके रहने खाने का प्रबंध भी विवि को फ्री या न्यूनतम शुल्क पर करना चाहिये। इस संबंध में मंत्रालय और यूजीसी को अवगत कराया जायेगा व विवि के समक्ष यह सवाल उठाया जायेगा।

प्रकृति के साथ एकत्व खोजने का भाव है योग: अनुश्री जैन

सागर, देशबन्धु। योग दिवस की पूर्व बेला पर लीगल राइट्स काउंसिल इंडिया सागर इकाई एवं पतंजलि योग केंद्र सागर के संयुक्त तत्वाधान में अनुश्री कुमार जैन के निवास पर एक दिवसीय महिला योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की मुख्यातिथि सांसद लता वानखेड़े सम्मिलित रही। उन्होंने मंच के माध्यम से सभी उपस्थित योग अभ्यर्थियों को प्रोत्साहित किया। योग अभ्यास में सूर्य नमस्कार के साथ विभिन्न तरह के रोग निवारक योग का अभ्यास पतंजलि योग केंद्र सागर के योग गुरु वंदना कटारे के मार्गदर्शन में किया। इसके साथ ही क्रीड़ा भारती विभाग सागर की महिला खिलाड़ियों बालिकाओं द्वारा मलखंभ का प्रदर्शन किया। योग शिविर में सम्मिलित सभी बहनों ने योग से दैनिक जीवन में प्राप्त हुये लाभ से अवगत करवाया। लता वानखेड़े ने कहा योग जीवन के सभी पहलुओं के बीच संतुलन बनाने के अलावा स्वास्थ्य और कल्याण के लिये एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है। योग एक प्राचीन भारतीय अभ्यास है जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देता है। अनुश्री जैन ने बताया कि योग प्राचीन अंतर्राष्ट्रीय परम्परा एवं संस्कृति की अमूल्य देन है। योग मात्र व्यायाम नहीं है बल्कि स्वयं एवं विश्व और प्रकृति के साथ एकत्व खोजने का भाव है। हमे 21 जून को योग दिवस के अवसर हिस्सेदारी निभानी है, इस विशेष दिवस को हम सभी मिलकर मनायेंगे और केवल एक दिन ही नहीं दैनिक जीवन में नियमित योग करने का संकल्प लेंगे। कार्यक्रम में कविता लारिया, स्वाति हल्वे, माधुरी राजपूत, निशा शिंदे, प्रीति शर्मा, रूपा राज, सुचेता दुबे सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति सम्मलित रही।

योग दिवस के पूर्व प्रख्यात योगाचार्य के मार्गदर्शन में हुआ योगाभ्यास

सागर, देशबन्धु। अंतराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के पूर्व गुरुवार को योग निकेतन योग प्रशिक्षण संस्थान के योगाचार्य विष्णु आर्य के मार्गदर्शन में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम पद्माकर सभागार परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें विधायक शैलेंद्र जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी एवं शहर की विभिन्न योग संस्थाओं से जुड़े महिला व पुरुषों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में योगाचार्य आर्य ने लोगों को योग अभ्यास कराया। इस दौरान शैलेंद्र जैन ने कहा कि हमारा उद्देश्य सागर को योग नगरी बनाना है। यह तब बनेगा जब घर-घर योग की अलख जगे। तभी हमारा जीवन स्वस्थ और बेहतर बनेगा। श्याम तिवारी ने स्वस्थ जीवन के लिये योग जरूरी है योग मानवता को भारत का अनूठा उपहार है। बढ़ती जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं को देखते हुये, योग आज और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। योगाचार्य विष्णु आर्य ने योगाभ्यास कराते हुये आसन, ध्यान प्राणायाम के लाभ भी बताये। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बीमारियां बढ़ रही हैं। खानपान बिगड़ रहा है। मानसिक तनाव से लोग परेशान हैं। इसलिये योग बहुत जरूरी है। योग करने से शरीर स्वस्थ रहेगा। जिससे सभी काम अच्छे से कर पायेंगे। इस मौके पर नशा मुक्त भारत अभियान 26 जून के अंतर्गत विधायक शैलेंद्र जैन के अतिथ्य मे नशा मुक्ति शपथ दिलाई। इसमे विभाग से संयुक्त संचालक डॉ. डीएस यादव एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जगन्नाथ गुरैया, निकेश गुप्ता, महेंद्र प्रताप तिवारी, बीडी साहू, सुबोध आर्य, रामनारायण यादव, महेश नेमा, राजेश जड़िया, संजय पाठक आदि शामिल हुये।

मकरोनिया ग्रामीण व नगर मंडल में संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सागर, देशबन्धु। नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर नरयावली विधानसभा में संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम गुरुवार को क्रमश: मकरोनिया ग्रामीण मंडल का मोहन पैलेस, करांपुर में एवं मकरोनिया नगर मंडल का क्रॉऊन पैलेस रजाखेड़ी में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक प्रदीप लारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में मजबूत शक्ति बन रहा है। उनके कार्यकाल के 11 वर्षों में सुशासन और जनकल्याणकारी योजनायें घर-घर तक पहुंची है। सरकार ने हर जरूरतमंद व्यक्ति के लिये योजना बनाई है। संकल्प से सिद्धि केवल केंद्र सरकार का कार्यक्रम नहीं बल्कि भारत को सुव्यस्थित करने का प्रण है। इसमें उत्तम शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य, जन सुविधाओं का विस्तार, आंतरिक और बाह्य सुरक्षा शामिल है। कार्यक्रम में विशेष रूप से जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी उपस्थित हुयें। मकरोनिया ग्रामीण एवं मकरोनिया नगर मंडल के मंडल अध्यक्ष, पूर्व मंडल अध्यक्ष, पार्षद, सरपंच, वरिष्ठजन, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, मातृशक्ति एवं नागरिकों ने उत्साह पूर्वक सहभागिता की।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक के सिर में मारी गोली, इलाज के दौरान मौत

ग्राम खतौली की घटना, गांव में तनाव का महौल, पुलिस बल तैनात

गौरझामर, देशबन्धु। देवरी थाना क्षेत्र के ग्राम खतौली में बुधवार देर रात पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक को गोली मार दी गई। गोली युवक के सिर में लगी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को देवरी सीएचसी ले जाया गया जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। सागर में उसकी हालत में सुधार न होने पर उसे भोपाल रेफर कर दिया गया। भोपाल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से क्षेत्र तनाव का माहौल बना हुआ है। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिये पुलिस बल तैनात किया गया है।

जानकारी के अनुसार नितिन उम्र 21 वर्ष पिता प्रहलाद सिंह राजपूत बुधवार रात करीब 10 बजे पिपरिया से खतौली जा रहा था इसी दौरान रास्ते में उसे खतौली गांव के ही भूपेंद्र सिंह राजपूत, धीरज सिंह राजपूत, लेखन सिंह राजपूत सरपंच, शेर सिंह राजपूत मिले जिन्होंने उसका रास्ता रोककर सिर में दो गोलियां मार दी। परिजन नितिन को गंभीर अवस्था में देवरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवरी लेकर आये। डॉ. पराग ने बताया कि नितिन सिंह को सिर में बायें तरफ दो गोलियां लगी थी, जिसकी हालत गंभीर थी इसलिये उसे जिला चिकित्सालय सागर रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल से नितिन को भोपाल रेफर किया गया जहां उसकी मौत हो गई। वहीं इस हत्याकांड से ग्राम खतौली में तनाव का माहौल है। कोई अप्रिय घटना न हो इसलिये पुलिस बल तैनात किया गया है। थाना प्रभारी मीनेश भदोरिया ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आपसी रंजिश का प्रतीत हो रहा है। शिकायत पर भूपेंद्र सिंह समेत तीन अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। भूपेंद्र को हिरासत में ले लिया गया है, जबकि अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा। मामले को लेकर पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है।

केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी आज सागर प्रवास पर रहेंगे

सागर, देशबन्धु। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी आज सागर जिले के प्रवास पर रहेंगें। प्रवास के दौरान सागर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होगें। जारी कार्यक्रम के अनुसार वे प्रात: 9.45 पर नागपुर ऐयरपोर्ट से हेलीकाप्टर द्वारा प्रस्थान कर प्रात: 11.15 पर ढाना हवाई पट्टी सागर पहुंचेंगे। 11.30 बजे कार द्वारा प्रस्थान कर प्रात: 11.50 बजे डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय पहुंचेगें। केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के 33 वें दीक्षांत समारोह में शामिल होगे। दोपहर 1.35 बजे रवाना होकर दोपहर 1.45 बजे मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत के आवास पहुंचेगे। दोपहर 2.10 बजे मप्र के सागर क्षेत्र में राजमार्ग परियोजना के कार्यों की समीक्षा करेगे। दोपहर 3 बजे प्रस्थान कर दोपहर 3.10 बजे मकरोनिया पहुंचेगें और सांसद लता वानखेड़े के साथ औपचारिक मुलाकात करेगें। केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री दोपहर 3.30 बजे ढाना हवाई पट्टी के लिये रवाना होकर शाम 4 बजे नागपुर के लिये रवाना होगे।

राजस्व अधिकारी एवं तहसीलदार अपने-अपने क्षेत्र के विद्यालयों में जाकर निरीक्षण करें: कलेक्टर

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर संदीप जी आर ने समस्त राजस्व अधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि अपने-अपने क्षेत्र के विद्यालयों में जाकर निरीक्षण करें एवं वहां की मूलभूत सुविधाओं की जानकारी लें। विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान विशेष रूप से विद्यालय में वितरित होने वाली पुस्तकों की भौतिक जानकारी लें किसी भी विद्यालय में पुस्तकों का स्टॉक शेष नहीं रहना चाहिये। वर्षा के मौसम में विद्यालय भवन की भौतिक जानकारी लें कोई भी भवन क्षतिग्रस्त नहीं होना चाहिये और यदि ऐसा होता है तो उनमें कक्षाओं का संचालन न किया जाये। उन्होंने निर्देश दिये थे कि सभी विद्यालयों में पेयजल, शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। विद्यालयों में मध्याह्न भोजन वितरण सूची के अनुसार एवं पौष्टिक भोजन का वितरण होना चाहिये जिसमें विशेष रूप से चुकंदर, पालक, मुनगा का उपयोग किया जाये। विद्यालय समय पर संचालित हो एवं समय पर बंद हो इसका विशेष ध्यान रखा जाये। कलेक्टर ने विद्यालयों के साथ सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करने के भी निर्देश दिये, सभी राजस्व अधिकारी, तहसीलदार एवं संबंधित अधिकारी निरीक्षण के दौरान मध्याह्न भोजन का बच्चों के साथ बैठकर गुणवत्ता की जांच करें।

लापरवाही बरतने पर 2 स्वच्छता सुपरवाइजरों को कारण बताओ नोटिस जारी

खुरई, देशबन्धु। नगर की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण करने पहुंचे मुख्य नपा अधिकारी राजेश मेहतेले ने कार्यों में उदासीनता एवं सफाई व्यवस्था में लापरवाही बरतने पर दो स्वच्छता सुपरवाइजरों को कारण बताओ नोटिस जारी करने एवं एक दिन के वेतन कटौती के निर्देश उपयंत्री एवं स्वच्छता स्वास्थ्य शाखा प्रभारी शैलेंद्र सिंह को दिये जिसके बाद संबंधितों को नोटिस जारी किये गये। दरअसल मंगलवार को सुबह राजेश मेहतेले नगर की सफाई व्यवस्था, वार्डों की सफाई व्यवस्था के अतिरिक्त आगामी बारिश के मौसम को देखते हुये होने वाले विशेष नाला नाली सफाई अभियान का औचक निरीक्षण करने मोटर साइकिल पर सवार होकर निकले थे, उन्होंने वार्डों में जाकर नागरिकों से सफाई व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। सुपरवाइजर सतीश वाल्मिकी एवं सुपरवाइजर मनोहर वाल्मिकी दोनों सुपरवाइजरों के संबंधित वार्डों में नालियां साफ नहीं थीं एवं कई स्थानों पर भारी गंदगी कचरे के ढेर पाये गये जिस पर नाराजगी जाहिर करते हुये उन्होंने दोनों स्वच्छता सुपरवाइजरों को कारण बताओ नोटिस जारी करने एवं एक दिवस का वेतन काटने के निर्देश उपयंत्री एवं स्वच्छता स्वास्थ्य शाखा प्रभारी को दिये जिसके बाद यह कार्यवाही संबंधितों पर की गई।

खाद, बीज और कीटनाशक दुकानों का निरीक्षण कर सैंपल लिए

सागर, देशबन्धु। कलेक्टर संदीप जीआर ने निर्देश दिये कि किसान भाइयों को अच्छे से अच्छा खाद उर्वरक बीज मिल सके इसके लिये लगातार खाद बीज, कीटनाशक विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण किया जाये। निर्देश के बाद उप संचालक राजेश त्रिपाठी ओर सभी एसडीएम के द्वारा जिले के सभी क्षेत्रों में कीटनाशक बीज एवं उर्वरक की दुकानों का निरीक्षण कर उनके सैंपल लिये जा रहे हैं। खरीफ सीजन के लिये किसान बोवनी की तैयारियां कर रहे है, इस बीच नकली खाद, बीज व कीटनाशक बेचने के लिये कतिपय दुकानदार फिराक में हैं। जिले में नकली खाद बीज विक्रय पर लगाम लगाने कृषि अधिकारी औचक निरीक्षण कर रहे हैं। शहर के सब्जी मंडी क्षेत्र में कृषि अधिकारियों की टीम ने 3 दुकानों पर पहुंचकर निरीक्षण किया और बीज के सैंपल लिये हैं। कृषि अधिकारियों ने जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्यवाही की बात कही है। राजेश त्रिपाठी ने बताया कि निरीक्षण दल द्वारा सागर में कृषक खुशहाली केंद्र, आरके ट्रेडिंग कंपनी व गुप्ता एग्रो इंटरप्राइजेज का औचक निरीक्षण किया, जिसमें लाइसेंस में दर्ज उत्पादों को बेचने की जांच की गई। यह सघन अभियान जारी रहेगा और किसी भी प्रकार की विसंगति पाये जाने पर नियमानुसार कायवाही की जायेगी। विक्रय केंद्रों से अंकुरण जांच के लिये मक्का बीज के नमूने भी एकत्रित किये गये, जिसकी जांच के लिये बीज परीक्षण प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। निरीक्षण दल में अनुविभागीय अधिकारी कृषि अनिल राय, सहायक संचालक कृषि, कृषि विकास अधिकारी एसके जैन, सहयोगी कृषि विस्तार अधिकारी आरके जैन व शिवकांत राजपूत उपस्थित रहे।

कुलपति के कार्यकाल में हुई नियुक्तियों और खरीदी पर जांच बैठनी चाहिये: आशीष ज्योतिषी

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में व्याप्त अनियमितताओं को लेकर छात्रों द्वारा कुलपति के पुतला दहन करने पर उन पर पानी की बौछार की जाती है, वहीं दूसरी और विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा दुर्घटना में मृत छात्र के मेडिकल और इंश्योरेंस पर चुप्पी साध ली जाती है। एनएसयूआई के द्वारा कुलपति के काले कारनामों पर कड़ी कार्यवाही की मांग का समर्थन करते हुये पूर्व छात्र नेता एवं जिला कांग्रेस प्रवक्ता आशीष ज्योतिषी ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों से बीमा के नाम से राशि तो वसूली जाती है। परंतु उसे एजेंसी को नहीं भेजा गया, इसके जिम्मेवार पर कार्यवाही होनी चाहिये। साथ ही कुलपति के कार्यकाल में हुई नियुक्तियों और खरीदी पर भी जांच बैठानी चाहिये।

बिजली की समस्या को लेकर विधायक को ज्ञापन सौंपा

सागर, देशबन्धु। विधायक शैलेंद्र जैन के निवास पर प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्मित मेनपानी आवासीय कॉलोनी के परिवार जनों ने बिजली की समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा, उल्लेखनीय है कि मेनपानी आवासीय कॉलोनी में लगभग 70 से 80 परिवार निवास कर रहे हैं, परंतु इस भीषण गर्मी में यहां पर लाइट की व्यवस्था न होने के कारण इन परिवारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, विधायक ने इन परिवारों की बात को सुनकर तत्काल निगमायुक्त राजकुमार खत्री एवं मप्र विद्युत मंडल के एसई एवं डीई से चर्चा कर इस समस्या को अविलंब सुलझाने के निर्देश दिये, विधायक जैन ने बताया कि 20 जून को मेनपानी आवासीय कॉलोनी में ही विद्युत विभाग द्वारा कैंप लगाकर स्थानीय लोगों को बिजली के कनेक्शन दिये जायेगे, विद्युत वितरण हेतु ट्रांसफार्मर लगाया जा चुका है। शुक्रवार को इसकी चार्जिंग कर बिजली आपूर्ति चालू कर दी जायेगी।

जोन स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में सागर के बालक बालिकाओं ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

सागर, देशबन्धु। 17 जून को सागर जोन स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के आयोजन अध्यक्ष अनिल तिवारी कुलपति एसबीएन यूनिवर्सिटी एवं पुरुषोत्तम चौरसिया, अंकुर चौरसिया कल्पधाम ग्रुप रहे। मप्र कबड्डी एसोसिएशन के द्वारा मप्र के समस्त 51-52 जिलों को आठ जोन में डिवाइड किया गया है और इन आठ जोन में होने वाली प्रतियोगिताओं में चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता जो कि बालक वर्ग की 18 तारीख से इटारसी में आयोजित हो रही है उसमें सहभागिता करेंगे एवं जो बालिका वर्ग की टीम है वह रीवा में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सहभागिता करेगी। सागर जोन में आने वाले जो आठ जिले आये थे। उसमें सागर छतरपुर पन्ना निवाड़ी दमोह कटनी सतना इन टीमों की बालक एवं बालिका वर्ग की टीमों ने सहभागिता की जिसमें फाइनल में बालिका वर्ग में सागर जिले ने दमोह को पराजित करते हुये प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं बालक वर्ग में सागर जिले ने सतना जिले को पराजित करते हुये प्रथम स्थान प्राप्त किया। अतिथियों विधायक प्रदीप लारिया, कबड्डी संरक्षक शैलेश केशरवानी, डॉ. उमेश सराफ, गणेश सोनी, कल्पधाम ग्रुप से पुरुषोत्तम चौरसिया एवं इंजी. संजीव चौरसिया ने दोनों वर्ग की विजेता एवं उपविजेता टीमों को शील्ड एवं मैडल प्रदान कर खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इनके अलावा कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए सागर जोन के पदाधिकारी उपस्थित रहे जिनमें जोन की सह संयोजक संगीता भदोरिया सागर कबड्डी एसोसिएशन से, मिथिलेश सतना से, सुभाष भास्कर निवाड़ी कबड्डी एसोसिएशन, सागर कबड्डी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मुकेश कुमार एवं जाहर सिंह राकेश सिंह गौर, पुष्पेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली*
प्रबंध संपादक डॉ. योगेश दत्त तिवारी फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in प्रेस पंजीयन- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।